Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 105 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अनुराग ठाकुर ने बताया राहुल का मतलब, कांग्रेस सांसद पर देश की छवि धूमिल करने का आरोप

कांगड़ा। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी राष्ट्रविरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन चुके हैं। कांगड़ा में मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता पर कई गंभीर आरोप लगाए। सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी देश विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन गए हैं। वह भारत विरोधी एजेंडा चलाते हैं, नेगेटिव पॉलिटिक्स को बढ़ावा देते हैं और अराजकता फैलाने का प्रयास करते हैं। अब उनका एकमात्र काम झूठ बोलना, कन्फ्यूजन पैदा करना, भारत को बदनाम करना और मोदी विरोधी पॉलिटिक्स करना है। जब भारत की इकॉनमी सबसे तेजी से बढ़ रही है, तो वह इसे डेड इकॉनमी कहते हैं। उन्हें भारत की तरक्की पसंद नहीं है। भाजपा सांसद ने कहा कि पूरी दुनिया ने एआई समिट की तारीफ की, वहां राहुल गांधी के इशारे पर उनके कार्यकर्ता शर्टलेस प्रोटेस्ट कर देश की छवि को धूमिल करने की कोशिश की।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में मिले जयराम ठाकुर

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने हिमाचल प्रदेश की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा प्रदेश के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न वित्तीय विषयों को उनके समक्ष रखा। जयराम ठाकुर ने केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश को निरंतर दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले हिमाचल प्रदेश के संतुलित एवं सतत विकास के लिए केंद्र का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान उन्होंने प्रदेश की वित्तीय सुदृढ़ता, आधारभूत संरचना के विकास, आपदा राहत तथा विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लिए अधिकतम वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

कांग्रेस पार्टी युवा कांग्रेस के निडर सिपाहियों के साथ डटकर खड़ी है

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी युवा कांग्रेस के निडर सिपाहियों के साथ डटकर खड़ी है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सत्य के लिए शांतिपूर्ण एवं अहिंसक प्रतिरोध हमारी गौरवशाली विरासत है जो हमें महात्मा गांधी जी और लाखों-करोड़ों भारतीय पूर्वजों से मिली है। दुनिया भर के दबाव में झुककर, भारत के हितों से समझौता करने वाली सरकार के खिलाफ आवाज उठाने में 140 करोड़ भारतवासियों का हित है।

भूपेश बघेल ने जेल की व्यवस्था पर विधानसभा में उठाए सवाल...

आदिवासी नेता की मौत पर सदन में हंगामा,वाक आउट

रायपुर। समय दर्शन

रायपुर केन्द्रीय जेल में बंद रहे आदिवासी नेता जीवन ठाकुर की मौत के मामले को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज विधानसभा में उठाया। बघेल ने ठाकुर की मौत को संदिग्ध मानते हुए कई तरह की शंकाएं जताई। इस पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का विस्तार से जवाब भी आया लेकिन विपक्षी कांग्रेस विधायक दल संतुष्ट नहीं हुआ और नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गया। प्रश्नकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सवाल था कि जनवरी 2025 से 31 जनवरी, 2026 की अवधि में राज्य की केंद्रीय एवं जिला जेलों में कुल कितनी अस्वाभाविक मृत्यु (Custodial Deaths) हुई? क्या इन सभी प्रकरणों में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप न्यायिक जांच पूर्ण कर ली गई है? उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा की ओर से जवाब आया कि जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि में राज्य की केन्द्रीय एवं जिला जेलों में कुल 66 बंदियों की मृत्यु (Custodial Deaths) हुई है। उक्त बंदियों के प्रकरणों में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 18 प्रकरणों में न्यायिक मजिस्ट्रेट जांच की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है तथा 48 प्रकरणों में जांच की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। भूपेश बघेल ने पूछा कि जीवन ठाकुर पहले कांकेर जेल में बंद थे, फिर उन्हें रायपुर जेल में लाकर रखा गया, जहां उनकी मौत हुई। इस मौत के पीछे क्या कारण मानते हैं? विजय शर्मा ने कहा कि जीवन ठाकुर कांकेर जेल में थे। उनके व्यवहार आदि के कारण कोर्ट के आदेश पर उन्हें रायपुर जेल भेजा गया। उनकी तबियत खराब थी, इसलिए उन्हें रायपुर के ही मेकाहारा में इलाज के लिए शिफ्ट किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हुई। उनकी मौत के बाद जांच की प्रक्रिया पूरी की गई। भूपेश बघेल ने कहा कि जीवन ठाकुर कोई सामान्य आदमी नहीं थे। आदिवासी समाज के नेता थे। उन्हें फर्जी केस में फंसाया गया। साथ में उनके बेटे को भी जेल में डाल दिया गया। जीवन ठाकुर शुगर से पीड़ित थे। शिकायत मिला करती थी कि रायपुर जेल अधीक्षक ठाकुर को किसी से मिलने नहीं देते थे। अस्पताल ले जाने नहीं देते थे। इस बात को लेकर आदिवासी समाज ने चक्काजाम तक किया था। उनकी मौत के पीछे कौन दोषी है? दोषी के खिलाफ क्या कार्यवाही हुई? विजय शर्मा ने कहा कि इस प्रकरण को फर्जी कहना ठीक नहीं। उनकी मौत की जांच हुई, जिस पर प्रतिवेदन भी प्रस्तुत हुआ है। गिरफ्तार केवल उन्हें ही नहीं किया गया था, बल्कि वन अधिकार पट्टे की मांग को लेकर हुए आंदोलन में 8 लोग गिरफ्तार हुए थे। 12 अक्टूबर 2025 को उन्हें कांकेर जेल लाया गया था। उन्हें शुगर थी। इलाज के लिए उन्हें कांकेर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल में परिवार के लोग व अन्य लोग उनसे मिलते थे। जेल अधीक्षक की ओर से कोर्ट में जो प्रतिवेदन प्रस्तुत हुआ उसमें उल्लेख था कि जीवन ठाकुर सहयोग नहीं करते थे।

उरला थाना क्षेत्र पुलिस कमिश्नर व एस.पी. ग्रामीण में विभाजित- विधानसभा में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दी जानकारी

रायपुर। विधानसभा में आज उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा को ओर से जानकारी सामने आई कि राजधानी रायपुर के सीमावर्ती क्षेत्र उरला के एक हिस्से का पर्यवेक्षण पुलिस कमिश्नर तथा दूसरे का हिस्से का पुलिस अधीक्षक ग्रामीण करेंगे। कांग्रेस विधायक भोलाराम साहू का लिखित में सवाल था कि क्या पुलिस कमिश्नर प्रणाली से उरला थाना का पर्यवेक्षण पुलिस कमिश्नर ही करेंगे या पुलिस अधीक्षक ग्रामीण भी करेंगे? क्या यह सही है कि कुछ नगरीय क्षेत्रों को कमिश्नर के क्षेत्राधिकार से बाहर रखा गया है और कुछ पंचायतों को कमिश्नर के क्षेत्राधिकार में रखा गया है? उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा का लिखित में जवाब आया कि पुलिस जिला रायपुर का पुर्नगठन कर पुलिस जिला रायपुर नगरीय एवं पुलिस जिला रायपुर ग्रामीण बनाया गया है। पुलिस जिला रायपुर नगरीय में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की गई है। इस व्यवस्था में उरला पुलिस थाना क्षेत्र को दो भागों में विभाजित किया गया है। उरला थाने के बीरगांव नगर निगम अंतर्गत आने वाले क्षेत्र का पर्यवेक्षण रायपुर पुलिस कमिश्नर करेंगे। उरला थाने के नगर निगम के बाहर आने वाले क्षेत्र का पर्यवेक्षण पुलिस अधीक्षक, पुलिस जिला रायपुर ग्रामीण करेंगे। पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने की स्थित में पुलिस जिला रायपुर का पुर्नगठन करके पुलिस जिला रायपुर नगरीय एवं पुलिस जिला रायपुर ग्रामीण बनाया गया है।

अरिरया में बोले गृह मंत्री अमित शाह

सीमांचल से घुसपैठियों को बाहर करने का मिशन जल्द

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक बयान दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव में जीत हासिल करेगी और सत्ता में आने के बाद राज्य से हर एक घुसपैठिए को बाहर निकाला जाएगा।शाह बिहार के अररिया जिले में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अररिया सीमांचल क्षेत्र में आता है, जिसकी सीमा पश्चिम बंगाल से सटी हुई है। इस दौरान उन्होंने सीमा सुरक्षा और जनसांख्यिकीय बदलाव के मुद्दे पर भी चिंता व्यक्त की। गृह

मंत्री ने कहा कि बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम जनसांख्यिकीय असंतुलन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील राज्य हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार जनसंख्या संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। अपने संबोधन की शुरुआत में अमित शाह ने स्वतंत्रता सेनानी और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि 1857 के विद्रोह को भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में व्यापक पहचान तब मिली जब सावरकर ने इस विषय पर पुस्तक लिखकर उसे उसी रूप में स्थापित किया। शाह आज केंद्रीय मंत्री माछमारा हवाई पट्टी से सीमा सुरक्षा बल के हेलीकॉप्टर से अररिया के लिए निकलेंगे। अररिया में करीब छह घंटे के इस दौरे में वे सीमा चौकियों का निरीक्षण, नव निर्मित भवनों का उद्घाटन और सीमावर्ती जिलों के वरिष्ठ ?अधिकारियों के साथ हाई लेवल मीटिंग करेंगे।?

उत्तर प्रदेश में नौ साल से दंगा नहीं हुआ, इसलिए अखिलेश यादव परेशान : ओपी राजभर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि योगी सरकार में बीते 9 साल में कोई दंगा नहीं हुआ। सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज है और विकास हो रहा है। इस बात से पूर्व सीएम अखिलेश यादव परेशान हैं। मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव को यह लग रहा है कि अब उनका क्या होगा। आगामी विधानसभा चुनाव में सिर्फ उनकी जाति के लोग ही उनके साथ रह जाएंगे।

अजित पवार प्लेन क्रैश

बारामती थाने में रोहित पवार का भारी हंगामा

मुंबई । मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस थाने के बाद अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक रोहित पवार ने बारामती में मोर्चा खोल दिया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत को 'साजिश' करार देते हुए रोहित पवार भारी समर्थकों के साथ बारामती पुलिस स्टेशन पहुंचे। उनके साथ युगेंद्र पवार और राजेंद्र पवार भी मौजूद थे। रोहित पवार की मांग है कि इस पूरे मामले में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और संबंधित निजी चार्टर्ड कंपनी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। थाने के बाहर और भीतर

समर्थकों की भारी भीड़ के कारण हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। रोहित पवार ने आरोप लगाया कि प्रशासन इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच में जानबूझकर ढिलाई बरत रहा है और दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

अविमुक्तेश्वरानंद मामले पर बड़ा अपडेट

अब मेडिकल रिपोर्ट में नाबालिग बटुकों से यौन शोषण की पुष्टि...

नई दिल्ली/ एजेंसी

ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के लिए कानूनी मुश्किलें अब और गंभीर हो गई हैं। नाबालिग बटुकों के यौन शोषण के मामले में पुलिस की मेडिकल रिपोर्ट में चौंकाने वाली पुष्टि हुई है, जिसके बाद अब उनकी गिरफ्तारी की संभावना प्रबल हो गई है। प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज यौन शोषण के मामले में बुधवार को पुलिस ने दो पीड़ित नाबालिग बच्चों का मेडिकल परीक्षण कराया था। सूत्रों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट में दोनों नाबालिग

बच्चों के साथ कुकर्म होने की पुष्टि हुई है। इस रिपोर्ट को अब केस डायरी में एक महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में शामिल किया गया है। शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने भी दावा किया है कि रिपोर्ट में यौन शोषण के संकेत पूरी तरह स्पष्ट हैं, जिससे आरोपी स्वामी और उनके सहयोगियों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसना तय माना जा रहा है। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब एडीजे रेप एंड पॉक्सो स्पेशल कोर्ट के आदेश पर झूंसी पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरी और तीन अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। पुलिस की अब तक की विवेचना में दो अन्य आरोपियों, अरविंद मिश्रा और प्रकाश उपाध्याय, के नाम भी सामने आए हैं। आरोप है कि माघ मेले के दौरान दो बटुकों के साथ यौन शोषण की घटना को अंजाम दिया गया।

कश्मीरी गेट में कार पर गोलीबारी, खुद को लॉरेंस बिश्नोई लीगल टीम का सदस्य बताने वाला एक व्यक्ति घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में देर रात करीब 10:10 बजे एक कार पर अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, गाड़ी में कुल पांच लोग सवार थे, और गोलीबारी के बाद हमलावर फरार हो गए। घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। दिल्ली पुलिस के डीसीपी नॉर्थ राजा बंथिया ने घटनास्थल पर पत्रकारों से बातचीत में बताया, हमें रात करीब 10:10 बजे सूचना मिली कि कश्मीरी गेट के पास एक कार पर फायरिंग हुई है।

एनसीईआरटी विवाद पर शिक्षा मंत्री की सफाई

न्यायपालिका का अपमान करने की कोई मंशा नहीं-धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली/ एजेंसी

एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका से जुड़े कथित विवादित अध्याय को लेकर देश में उठे राजनीतिक और न्यायिक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि जो कुछ हुआ उससे उन्हें गहरा दुख है और सरकार या शिक्षा मंत्रालय की ओर से न्यायपालिका का अपमान करने की कोई मंशा नहीं थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा और जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई भी होगी। धर्मेंद्र प्रधान ने

कहा कि सरकार न्यायपालिका का सर्वोच्च सम्मान करती है और किसी भी शैक्षणिक सामग्री के जरिए संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ी सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया की जांच की जा रही है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अध्याय तैयार करने में शामिल लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य जागरूकता फैलाना है, संस्थाओं को बदनाम करना नहीं। यह मामला एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की किताब से जुड़ा है, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक हिस्सा शामिल किया गया था। इस सामग्री को लेकर वरिष्ठ वकीलों और कई कानूनी विशेषज्ञों ने आपत्ति जताई थी।

पीएम मोदी-नेतन्याहू के बीच वार्ता

मानवता कभी भी युद्ध और संघर्ष की शिकार नहीं बननी चाहिए

यरूशलम। संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी अपने इस्राइल के एतिहासिक दौरे पर हैं। जहां गुरुवार को उन्होंने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्यापक बातचीत की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और कृषि जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे यानी भारत-मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) और आई2यू2 समूह (भारत-इस्राइल-यूएई-अमेरिका समूह) के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा होने की संभावना जताई गई। इस दौरान भारत और इस्राइल ने आपसी संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। ये समझौते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई बैठक के बाद किए गए। दोनों नेताओं ने नवाचार (इनोवेशन), कृषि, तकनीक और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। इन समझौतों का मकसद नई तकनीकों का विकास, खेती में आधुनिक तरीकों को अपनाना और स्टार्ट-अप व शोध के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाना है। इसके बाद इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-इस्राइल के रिश्तों को नई ऊंचाई देने का एलान किया। पीएम मोदी ने नमस्कार और शलोम कहकर अपने संबोधन की

शुरुआत की। उन्होंने कहा कि नौ साल पहले उन्हें पहली बार इस्राइल आने का मौका मिला था। अब दोबारा यहां आना उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने बताया कि उन्हें 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' से सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी ने यह सम्मान भारत के 140 करोड़ लोगों और भारत-इस्राइल की दोस्ती को समर्पित किया। बैठक के दौरान दोनों देशों ने कई बड़े फैसले किए। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इस्राइल ने क्रिटिकल और उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारी स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस्राइल में (यूपीआई) के उपयोग को लेकर भी समझौता हुआ है, जिससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने जोर देते हुए कहा कि दोनों देश सिविल न्यूक्लियर एनर्जी (शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा) और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाएंगे। खेती को आधुनिक और भविष्य के अनुकूल बनाने के लिए मिलकर नई तकनीकें विकसित की जाएंगी। साथ ही 'विलेज ऑफ एक्सीलेंस' यानी उत्कृष्ट गांव विकसित करने पर भी काम किया जाएगा। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि दोनों देश जल्द ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देंगे। सबसे अहम घोषणा यह रही कि भारत और इस्राइल ने अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का ऐतिहासिक फैसला किया है।

आतंकवाद के खिलाफ मोदी का सख्त संदेश

इस दौरान पीएम मोदी ने शांति और आतंकवाद के खिलाफसख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत की सोच साफहै मानवता कभी भी युद्ध और संघर्ष की शिकार नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि गाजा शांति योजना ने शांति की दिशा में एक नया रास्ता खोला है और भारत ने ऐसे प्रयासों का समर्थन किया है। आगे भी भारत सभी देशों के साथ बातचीत और सहयोग जारी रखेगा। आतंकवाद पर उन्होंने दो टूक कहा कि दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत और इस्राइल मिलकर आतंकवाद और उसके समर्थकों के खिलाफलड़ाई जारी रखेंगे। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि दोनों देश भारत-मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) और आई2यू2 समूह (आई2यू2) जैसे मंचों पर साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे।

घर में छिपाकर रखा 200 लीटर डीजल, पुलिस की रेड, आरोपी गिरफ्तार

चोरी का डीजल खरीदकर कर रहा था अवैध बिक्री, 23 हजार से अधिक की सामग्री जब्त

सांकरा (समय दर्शन)। महासमुंद पुलिस ने ज्वलनशील पदार्थ को असुरक्षित तरीके से रखने और अवैध रूप से डीजल बेचने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। थाना सांकरा क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम सांकरा में दबिश देकर एक आरोपी को 200 लीटर डीजल के साथ पकड़ा।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि ग्राम सांकरा निवासी देवानंद साव अपने घर में भारी मात्रा में डीजल बिना किसी सुरक्षा प्रबंध के रखकर अवैध रूप से बिक्री कर रहा है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ट्रक ड्राइवरों से चोरी का डीजल खरीदकर उसे आसपास के लोगों को बेचता था।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली, जहां 200 लीटर डीजल बरामद किया गया। साथ ही डीजल निकालने और मापने में उपयोग होने वाले पाइप, प्लास्टिक चाड़ी, एल्युमिनियम माप लीटर, प्लास्टिक जरकिन और ढक्कन सहित एल्युमिनियम टब भी जब्त किया गया।

जब्त सामग्री

200 लीटर डीजल ङ्क कीमत 19,600 रुपये

दो नग पाइप (एक इंच व आधा इंच) ङ्क 100 रुपये

दो नग प्लास्टिक चाड़ी ङ्क 100 रुपये

एक लीटर क्षमता का एल्युमिनियम मापक ङ्क 250 रुपये

500 मिली क्षमता का एल्युमिनियम मापक ङ्क 100 रुपये

चार नग 10 लीटर क्षमता की खाली प्लास्टिक जरकिन– 400 रुपये

एक नग एल्युमिनियम टब ढक्कन सहित – 2,500 रुपये

कुल जब्ती – 23,050 रुपये

मामले में आरोपी देवानंद साव (पिता स्वर्गीय गणपति साव), उम्र 61 वर्ष, निवासी ग्राम सांकरा, थाना सांकरा, जिला महासमुंद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 287 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 और 7 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ज्वलनशील पदार्थ को बिना सुरक्षा प्रबंध के रखना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि आम जनता की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पूरी कार्रवाई थाना सांकरा पुलिस द्वारा की गयी।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के विकास में मिल का पत्थर साबित होने वाला बजट- स्वप्निल तिवारी

महासमुंद(समय दर्शन)। महासमुन्द भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि, यह बजट प्रदेश के विकास के साथ साथ महिला,युवा,किसान एवं सभी वर्गों के विकास व प्रगति को ध्यान में रखकर बनाया गया है । यह बजट आने वाले दिनों में प्रदेश के चहुमुंखी विकास में मिल का पत्थर साबित होगा। समाज के अंतिम व्यक्ति तक के विकास को सोचकर अगर कोई सरकार अपना बजट तैयार करती है तो वह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की विष्णु देव की सरकार कर करती है। जिसमे प्रदेश के विकास के साथ हर वर्ग को मजबूर और आत्मनिर्भर बनाने की योजना बनाने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। यह बजट विकसित छतीसगढ़ के निर्माण का समावेशी बजट है।बजट से महासमुंद जिले में भी विकास को नयी गति मिलेगी जिसमे हमारी सरकार द्वारा सड़क ,पर्यटन, सिचाई ,शिक्षा, स्वास्थ्य पर करोड़ो रुपये का प्रावधान लाया गया है । जिसमे जिले के पिथौरा से कसडोल,बागबहरा से गरियाबंद के लिये सड़क की मंजूरी पुरातत्व नगरी सिरपुर के विकास के लिये 42.50 करोड़ की मंजूरी , सिंचाई की दो बड़ी परियोजनाओं के लिये 3737 करोड़ की मंजूरी सहित अनेक विकास कार्यों का बजट में शामिल किये गये हैं।जिससे जिले के विकास में नयी गति आने वाली है।

बसना विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में नेटवर्क समस्या, रिचार्ज कंपनियों की मनमानी से जनता परेशान – मोक्ष कुमार प्रधान

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की खराब व्यवस्था से आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने मुद्दा उठाते हुए कहा कि क्षेत्र के अधिकांश गांवों में इंटरनेट सही तरीके से काम नहीं करता, लेकिन इसके बावजूद रिचार्ज कंपनियां उपभोक्ताओं से पूरा शुल्क वसूल रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार डिजिटल इंडिया की बात करती है, जबकि जमीनी स्तर पर नेटवर्क की स्थिति बेहद कमजोर है। गांवों में लोग ऑनलाइन कार्य और डिजिटल पेमेंट पर निर्भर हो रहे हैं, लेकिन नेटवर्क की समस्या के कारण उन्हें बार-बार परेशानी झेलनी पड़ती है। मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि भाजपा सरकार को नेटवर्क कंपनियों को सही तरीके से काम करने के लिए बाध्य करना चाहिए, ताकि हर गांव में बेहतर मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि आज अधिकांश ग्रामीण डिजिटल पेमेंट का उपयोग कर रहे हैं और सरकार भी डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है, लेकिन नेटवर्क व्यवस्था कमजोर होने से सरकार की नाकामी साफ दिखाई दे रही है।

मेल करके उड़ना या उसे दिन सबको परेशान करना, क्या है असल उद्देश्य

बिलासपुर (समय दर्श न)। हमको और हमारी पुलिस को शीघ्र भूल जाने वाली बीमारी है। 25 फरवरी को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में पुलिस चप्पे चप्पे में बम खोज रही थी। मेल पर किसी ने कहा था हाई कोर्ट उड़ा देंगे। ऐसे मेल इसके पहले एन आई ए कोर्ट के संदर्भ में भी आए थे। सो पुलिस उसे दिन भी बेहद सतर्क थी। कोर्ट में विस्फोटक पदार्थ नहीं मिलते पुलिस तो सुपारी उद्योग के फलने फूलने को भी नहीं रोक पाती ऐसा कम ही होता है कि वारदात के पहले अस्त्र-शास्त्र जप्त हो जाए। न्यायालय क्या किसी भी स्थान को कोई बम से उड़ाना चाहेगा तो मेल करके जगह क्यों बताया पर व्यवस्था की मजबूरी है मेल मिलने के बाद सब सक्रियता तो दिखानी है। मेल भेजने का जो उद्देश्य होता है वहां बैठे लोगों को चाहे वे जस्टिस हो, सरकारी कर्मचारी हो अथवा बार के सदस्य परेशान तो होते हैं। आम जनता भी उसे दिन परेशान होती है और इसी कारण मेल किया जाता है। जो नागरिक व्यवस्था से परेशान है उन्हें विरोध प्रदर्शन करने पर क्या होगा यह पता है तो मिल करके कुछ सनसनी फैलाना भी व्यवस्था को परेशान करने के समान है।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया पीएम का पुतला दहन

अहिवारा (समय दर्शन)। दिल्ली में आयोजित ए आई समिट के दौरान भारत अमेरिका के बीच प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ट्रेड डील में किए गए हस्ताक्षर के विरोध में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शांतिपूर्ण सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करने पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को गंभीर धाराओं में गिरफ्तार किया गया है जिसके विरोध में लगातार देश भर में विरोध प्रदर्शन चल रहा है। उसी कड़ी में अहिवारा विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत साहू के नेतृत्व में अहिवारा बस स्टैंड पर सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी कर भारी पुलिस बल के बावजूद भी पुतला जलाने में सफल हुए। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पुलिस की भी झूमा झटकी हुई पर कांग्रेस कार्यकर्ता अपना विरोध दर्ज करने में सफल हुए। इस पुतला दहन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से छाया विधायक ओनी महिलांग, अहिवारा नगर ब्लॉक अध्यक्ष संतोष बाफना, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष उमेश साहू, जिला महामंत्री कैलाश नाहटा, पूर्व जनपद अध्यक्ष सरस्वती रात्रे, पूर्व मंत्री प्रतिनिधि जगदीश मारकंडे, जिला सचिव अभिषेक जांगड़े, रोहित यादव, पूर्व महामंत्री नागमणि साहू, ग्रामीण उपाध्यक्ष उमेश बंजारे, कांग्रेस नेत्री मंजू यादव, छाया पार्षद सूर्यकांत वैष्णव, जिला युवा कांग्रेस महासचिव मुरली कृष्णा, मंडल अध्यक्ष तोरण पाटिल, युवा कांग्रेस नेतागण नरेंद्र चौहान, जसवंत गायकवाड, धरम बर्रे, राजा पाल, मोनू जैन, मयंक बरहरे, सूर्य प्रकाश खरे, अनीश देवांगन, अशोक आडिल,सैम्यूल, राजेंद्र बंजारे, नोहर पटेल, संतोष देवांगन, नीतीश देवांगन, राहुल वर्मा, राजू पाल, खिलेश पाल, निलेश, करण सहित सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी पर लगाया आरोप- युवा कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत साहू ने कहा कि भारत देश का प्रधानमंत्री अमेरिका के सामने सरेंडर कर ट्रेड डील में हस्ताक्षर कर देश के अन्नदाताओं के साथ छलावा किया और जब युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु शिवा वी युवा कांग्रेस के साथियों द्वारा सांकेतिक विरोध प्रदर्शन कर सवाल पूछने पर डर और बौखलाहट से तानाशाही रवैया अपनाते हुए लोकतंत्र की हत्या कर संवैधानिक तरीके से गंभीर धाराओं पर कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया गया है हेमंत ने कहा कि हम महात्मा गांधी के अनुयायी है गांधी हमारा विचार है पर भगत सिंह हमारा जज्बा है जब तक उदय भानु की रिहाई नहीं होती तब तक उग्र तरीके से यह प्रदर्शन पूरे देश भर में चलता रहेगा।

संकल्प बजट 2026-27 : विकसित छत्तीसगढ़ के स्वर्णिम भविष्य का निर्णायक रोडमैप- साकेत वर्मा

कोरबा(समय दर्शन)। वर्ष 2026-27 के संकल्प बजट को ऐतिहासिक बताते हुए भाजपा युवा नेता साकेत वर्मा ने कहा कि यह बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प-पत्र है। उन्होंने कहा कि विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और सशक्त बनाने की मजबूत आधारशिला रखता है।

साकेत वर्मा ने कहा कि ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत यह बजट दूरदर्शी सोच, सुशासन और जनकल्याण की स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह बजट गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और उद्यमियों—सभी वर्गों की आकांक्षाओं को नई उड़ान देने वाला है।

उन्होंने कहा कि बजट में घोषित पांच मुख्यमंत्री मिशन—एआई मिशन, खेल उत्कर्ष मिशन, पर्यटन विकास मिशन, अधोसंरचना मिशन और स्टार्टअप-निपुण मिशन—छत्तीसगढ़ को नवाचार और निवेश का हब बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। इन मिशनों के माध्यम से युवाओं को आधुनिक तकनीक, खेल संसाधन, स्वरोजगार और स्टार्टअप के नए अवसर मिलेंगे, जिससे प्रदेश में रोजगार के व्यापक द्वार खुलेंगे।

साकेत वर्मा ने जोर देकर कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई और आधुनिक कृषि तकनीकों के विस्तार तथा महिला सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रावधान प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देंगे। उन्होंने कहा कि यह बजट सामाजिक न्याय, आर्थिक संतुलन और सर्वांगीण विकास की सोच को साकार करता है।

अंत में उन्होंने कहा, संकल्प बजट छत्तीसगढ़ की नई विकास गाथा की शुरुआत है। यह बजट प्रदेश को विकास की तेज रफ्तार पर आगे बढ़ाते हुए आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करेगा।

उदंती सीतानदी टाइगर रिज़र्व में उड़न गिलहरी शावक का सफल रेस्क्यू, माँ से कराया पुनर्मिलन

गरियाबंद (समय दर्शन)। उदंती सीतानदी टाइगर रिज़र्व की टीम ने शिक्षकों की सतर्कता और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से उड़न गिलहरी के एक शावक का सफल रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित रूप से उसकी माँ से मिला दिया। यह संवेदनशील रेस्क्यू ऑपरेशन मानवीय संवेदना और वन्यजीव संरक्षण के समन्वय का उदाहरण बन गया।रक्षापथरा प्राथमिक स्कूल के प्रधान पाठक धनसिंह नेगी और सहायक शिक्षक संतोष निषाद ने 25 फरवरी को सुबह लगभग 11:50 बजे सूचना दी कि गोना मार्ग पर गिरे सूखे धावड़ा वृक्ष पर एक अज्ञात शावक (उड़न गिलहरी) अकेला बैठा है और चींटियों से घायल हो रहा है। सूचना मिलते ही तौरेंगा (बफर) परिक्षेत्र की टीम मौके पर पहुंची और शावक को सुरक्षित कस्टडी में लेकर निरीक्षण किया।

मौके पर सूखे वृक्ष में उड़न गिलहरी का कोटर (घोंसला) मिला,लेकिन माँ नहीं दिखी।बिलासपुर के वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट अभिजीत शर्मा के सुझाव पर शावक को पीपल और बरगद के फल तथा पानी दिया गया। चूंकि उड़न गिलहरी निशाचर होती है, इसलिए टीम ने शाम तक प्रतीक्षा की ताकि रात में माँ के लौटने की संभावना बनी रहे।शाम होते ही शावक को जंगल के समीप साजा वृक्ष पर सुरक्षित छोड़ा गया और बिना फ्लैश के ट्रैप कैमरा लगाया गया। टीम ने सुरक्षित दूरी बनाकर निगरानी रखी। रात लगभग 10 बजे मादा उड़न गिलहरी की आहट दर्ज हुई और करीब 12 बजे वह शावक को लेकर घने जंगल की ओर चली गई।

रेस्क्यू ऑपरेशन में रेंजर केजूराम कोरचे,वनरक्षक सुधांशु वर्मा,पेट्रोलिंग श्रमिक सूरज पात्रा और राजेंद्र नागेश की सक्रिय भूमिका रही।

वन विभाग की टीम अगले दो दिनों तक आसपास के क्षेत्र में निगरानी रखेगी ताकि माँ और शावक की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।उदंती सीतानदी टाइगर रिज़र्व प्रबंधन ने इस संवेदनशील ऑपरेशन में योगदान देने वाले शिक्षकों,वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट और स्थानीय पत्रकार हसन खान की सराहना की है।

पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद वर्मा का छत्तीसगढ़ आगमन हुआ स्वागत

नंदिनी अहिवारा:-पत्रकार सुरक्षा सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद वर्मा जी का छत्तीसगढ़ की पावन धरा में आगमन हुआ रायपुर वृंदावन हॉल में एक पत्रकार समारोह मे उनकी उपस्थिति गरिमामई रही इस गरिमामई उपस्थिति वाले समारोह में प्रदेश के पत्रकारों ने शिरकत की पत्रकारों की एकता सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना इस सभा का मुख्य उद्देश्य था, एवं उनकी समस्याओं का समाधान खोजने के उद्देश्य से किया गया राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में पत्रकारों को भरोसा दिलाया कि संगठन उनके हितों की रक्षा के लिए तत्पर है उन्होंने पत्रकारों की भूमिका को लेकर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा की समाज में सत्य और जनहित की आवाज को मजबूत करने में पत्रकारों का योगदान अतुलनीय है, मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी साथी संगठन की गरिमा को बनाये रखते हुए पत्रकार के अधिकारों की रक्षा उनकी आवाज को मजबूती तथा निष्पक्ष पूरी निष्ठा से करेंगे उन्होंने छत्तीसगढ़ नवगठित कार्यकारिणी के संगठन की प्राथमिक जवाबदारी है सभी साथी एकता में महानता के तर्ज पर कार्य करें,

इस आयोजन में प्रदेश के संरक्षक अवध किशोर मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष नवीन राजपूत महिला विंग अनीता जैन प्रदेश महासचिव अरविंद कुमार दुबे जिला दुर्ग से प्रदेश महासचिव अश्वनी श्रीवास्तव प्रदेश सचिव राकेश जसपाल संगठन महामंत्री कुंवर सिंह चौहान दुर्ग जिला उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता प्रदीप गोयल आदि पत्रकारों ने समारोह को सफल बनाने में अपना योगदान दिया मंच का संचालन रायपुर जिला सचिव श्रीमती मोना कुशवाहा ने किया,

विधायक चातुरी नंद ने विधानसभा में उठाया जंगलबेड़ा सोलर प्लांट में अनियमितता का मुद्दा

सोलर प्लांट भगाओ, जंगलबेड़ा बचाओ पोस्टर पहनकर विधानसभा में जताया अनूठा विरोध

रायपुर (समय दर्शन)। बजट सत्र में विधायक चातुरी नंद ने जंगलबेडा सोलर प्लांट में व्याप्त अनियमितता का मुद्दा जोरशोर से उठाया है। बजट सत्र के दूसरे विधायक चातुरी नंद सोलर प्लांट भगाओ, जंगलबेड़ा बचाओ पोस्टर पहनकर विधानसभा पहुंची और शून्यकाल के माध्यम से प्लांट प्रबंधन द्वारा की जा रही गड़बड़ियों को उठाया।

विधायक चातुरी नंद ने अपने शून्यकाल सूचना में कहा कि

महासमुंद जिले के सरायपाली तहसील अंतर्गत ग्राम जंगलबेड़ा में मेसर्स गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड को छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ष्टस्द्बष्ट) द्वारा 102.930 हेक्टेयर भूमि सोलर परियोजना हेतु लीज पर प्रदान की गई है। किंतु ग्रामसभा की वैधानिक सहमति के बिना ही परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जो पूर्णत: अवैध एवं असंवैधानिक है।

उन्होंने कहा कि यह स्वयं माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में स्वीकार किया है कि संबंधित संस्था को ग्रामसभा का अनापत्ति प्रमाण पत्र (ह्लह्रष्ट) प्राप्त नहीं हुआ है। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी है, जो संविधान, पंचायत (अनुसूचित क्षेत्र विस्तार) अधिनियम (क्कश्वस्र) तथा माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सीधा उल्लंघन है।

विधायक चातुरी नंद ने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि एवं प्राकृतिक संसाधनों पर ग्रामसभा का अधिकार सर्वोपरि है। ग्रामसभा की अनुमति के बिना कोई भी परियोजना वैध नहीं मानी जा सकती। यह न केवल कानूनी उल्लंघन है, बल्कि आदिवासी एवं ग्रामीण अधिकारों पर सीधा प्रहार है।

उन्होंने यह भी बताया कि लीज डीड की कंडिका 9 तथा कलेक्टर महासमुंद के राजस्व आदेश (ई-कोर्ट प्रकरण 2024-25) के अनुसार बिना सक्षम अनुमति किसी भी वृक्ष की कटाई निषिद्ध है। इसके बावजूद स्थल पर बड़े पैमाने पर वृक्ष कटाई की गई है, जिसकी पुष्टि तहसीलदार की जांच रिपोर्ट में भी हुई है। यह कृत्य भारतीय वन अधिनियम 1927, वन (संरक्षण) अधिनियम 1980, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 तथा ह्लत्रञ्ज के निर्देशों का गंभीर उल्लंघन है।

विधायक ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत की निस्तार भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है तथा तालाब, नाला और एनीकट को पाटकर परियोजना स्थापित की जा रही है। जंगलबेड़ाङ्कउड़ीसा अंतरराज्यीय मार्ग सहित स्थानीय सार्वजनिक रास्तों को बाधित किया जा रहा है, जिससे दो राज्यों को जोड़ने वाला वर्षों पुराना संपर्क मार्ग बंद होने की स्थिति में है। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि तालाब, चारागाह, निस्तार भूमि और सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण अस्वीकार्य है।

ग्राम जंगलबेड़ा जल संकटग्रस्त (ड्राई एरिया) क्षेत्र है। ऐसे में जलस्रोतों को नष्ट करना राज्य जल नीति एवं संविधान के अनुच्छेद 21 (स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार) का उल्लंघन है।

विधायक चातुरी नंद ने कहा कि पिछले आठ महीनों से ग्रामीण लगातार शिकायत कर रहे हैं, किंतु प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके विरोध में ग्रामीण 5 फरवरी 2026 से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, परंतु आज तक शासन-प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है।

विधानसभा में सोलर प्लांट भगाओ, जंगलबेड़ा बचाओ पोस्टर पहनकर पहुंची विधायक चातुरी नंद ने कहा—

मैं जंगलबेड़ा के किसानों, महिलाओं और युवाओं की आवाज बनकर सदन में खड़ी हूं। ग्रामसभा की अनुमति के बिना किसी भी कंपनी को ग्रामीणों की जमीन, जंगल और जलस्रोतों से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकार तत्काल निर्माण कार्य पर रोक लगाए, अवैध कटाई और अतिक्रमण की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे।

विधायक ने सरकार से मांग की कि पूरे मामले की जांच हेतु एक विधानसभा स्तरीय समिति बनाई जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि तत्काल निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाए और ग्रामसभा की वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण होने तक परियोजना स्थगित की जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि अवैध वृक्ष कटाई एवं जलस्रोतों के नुकसान की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तथा सार्वजनिक मार्गों को यथावत बहाल किया जाए और

ग्रामीणों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जाए।

विधायक चातुरी नंद ने स्पष्ट किया कि यदि शासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो वे ग्रामीणों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगी।

अध्यक्षता में उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की बैठक

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की बैठक

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आज उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आदिम जाति अनुसंधान एक प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष, नवा रायपुर में संपन्न हुई।

बैठक में कुल 10 प्रकरणों की समीक्षा एवं सुनवाई की गई। इनमें जाति जांच प्रकरण से संबंधित 08 प्रकरणों में पक्षकार समिति के समक्ष उपस्थित हुए। 04 प्रकरणों में गुण-दोष के आधार पर विनिश्चय किए जाने का निर्णय करते हुए आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। इनमें एक डीजे स्तर के अधिकारी एवं एक ग्रामीण विकास विभाग में ईएनसी स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। 02 प्रकरणों में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई की गई एवं पक्षकार को 10 दिवस के भीतर समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपने पक्ष में प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। 01 प्रकरण में विजिलेंस टीम को दुबारा मौके पर जाकर सोशल स्टेटस एवं अन्य प्रमाणित तथ्यों की गहन जांच कर 45 दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जबकि 03 प्रकरणों में जाति प्रमाण पत्र धारकों को सुनवाई का एक और अंतिम अवसर प्रदान करते हुए आगामी बैठक में उपस्थित होकर अपनी जाति के संबंध में प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करन के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति द्वारा नियमित अंतराल में बैठक आयोजित कर जाति प्रमाण पत्र एवं सामाजिक प्रस्थिति से संबंधी प्रकरणों का निपटारा किया जा रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय से संबद्ध प्रकरणों पर भी नियमानुसार पारदर्शी एक समयबद्ध तरीके से सुनवाई कर प्रकरणों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है। आज की बैक में बड़ी संख्या में पक्षकार एवं अधिवक्ता अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु उपस्थित हुए।

बैठक में आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास डॉ. सारांश मित्तर (सदस्य), संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान श्रीमती हिना अनिमेष नेताम (सदस्य सचिव), संचालक लोक शिक्षण संचालनालय श्री ऋतुराज रघुवंशी (सदस्य), संचालक, भू अभिलेख, श्री विनीत नदनवार, संयुक्त संचालक, टीआरटीआई श्रीमती गायत्री नेताम (प्रभारी अधिकारी, जाति जांच पकोष्ठ), श्रीमती रमा उइके (सदस्य), डॉ. अनिल विरूलकर (सदस्य) सहित, विजिलेंस टीम से श्री एमानुअल लकड़ा (डीएसपी), श्री जितेन्द्र गुप्ता एवं श्रीमती अंजनी भगत इत्यादि उपस्थित थे।

विदित हो माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश में दिये गये मार्गदर्शी निर्देश एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (सामाजिक प्रास्थिति के प्रमाणीकरण का विनियमन) अधिनियम 2013 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत कुल 07 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति का गठन किया गया है। समिति अर्द्ध न्यायिक स्वरूप में कार्य करते हुए निष्पक्ष एंव समयबद्ध निर्णय सुनिश्चित कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अधोसंरचना और अवसरों का विस्तार हमारी प्राथमिकता — मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज नया रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने श्री कपिल देव को बेल मेटल से बनी प्रतिकृति, पुण्यभूमि छत्तीसगढ़ कॉफी टेबल बुक भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने, आधुनिक खेल अधोसंरचना के विकास, अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण केंद्र तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य सरकार द्वारा खेलों के प्रोत्साहन और खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अधोसंरचना, प्रशिक्षण और अवसरों का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। पूर्व कप्तान कपिल देव ने छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास के इस माहौल में प्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट मंच प्राप्त होगा तथा छत्तीसगढ़ सुरक्षित, समृद्ध और विकसित राज्य के रूप में आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से प्रेस क्लब प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से रायपुर प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने आज सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी, महासचिव श्री गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष श्री दिलीप साहू सहित पत्रकार श्री सौरभ सिंह परिहार शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रेस क्लब द्वारा आयोजित किए जाने वाले रंगोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को औपचारिक आमंत्रण दिया। साथ ही पत्रकार हित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए सकारात्मक पहल की अपेक्षा व्यक्त की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा सभी विषयों पर समुचित पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री आर. कृष्णा दास तथा मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

उज्ज्वला योजना 3.0 आज गरीब और ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही

रायपुर। स्वच्छ रसोई केवल सुविधा नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और सम्मानजनक जीवनशैली की पहचान है। पारंपरिक चूल्हों के धुएँ से जूझ रही महिलाओं को राहत देने के लिए संचालित उज्ज्वला योजना 3.0 आज गरीब और ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित रसोई का लाभ मिल रहा है। कबीरधाम जिला में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के तहत 1339 नए गैस कनेक्शन पात्र हितग्राहियों को प्रदान किए गए हैं। इन कनेक्शनों से उन परिवारों को सबसे अधिक राहत मिली है, जो अब तक लकड़ी, उपले या कोयले से खाना बनाने को मजबूर थे। गैस कनेक्शन मिलने से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति मिली है और रसोई का काम भी पहले से आसान व सुरक्षित हो गया है। यह योजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। योजना के माध्यम से न केवल स्वास्थ्य की रक्षा हो रही है, बल्कि महिलाओं का समय भी बच रहा है, जिसे वे अब बच्चों की पढ़ाई, स्वरोजगार या अन्य उपयोगी कार्यों में लगा पा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में उज्ज्वला योजना ने सामाजिक बदलाव भी लाया है। पहले जहां महिलाओं को ईंधन के लिए जंगलों में घंटों भटकना पड़ता था, वहीं अब घर बैठे सुरक्षित और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध है। इससे महिलाओं की सुरक्षा भी बढ़ी है और जीवन स्तर में सुधार आया है। उज्ज्वला योजना 3.0 के तहत दिए गए ये नए कनेक्शन केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य, सम्मान और सुविधाजनक जीवन की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम हैं। यह योजना वास्तव में महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उज्जवला योजना 3.0 के संबंध में ऐसे सभी व्यक्ति पात्रता होंगे जो 10 हजार रूपये प्रति माह से कम आय अर्जित करते हो, व्यावसायिक कर का भुगतान ना करते हो, आयकर का भुगतान ना करते हो, परिवार का कोई सदस्य शासकीय सेवा में ना हो, पंजीकृत गैर कृषि उद्यम वाला परिवार ना हो, 50,000 रूपये से अधिक की क्रेडिट सीमा वाला किसान क्रेडिट कार्ड धारित ना हो, एक सिंचाई उपकरण के साथ 2.5 एकड़ से अधिक सिंचित भूमि का स्वामी ना हो, दो या अधिक फसल मौसमों के लिए 5 एकड़ या इससे अधिक सिंचित भूमिस्वामी धारक ना हो, कम से कम एक सिंचाई उपकरण के साथ कम से कम 7.5 एकड़ या इससे अधिक भूमि का स्वमी ना हो, 30 वर्ग मीटर से अधिक कारपेट एरिया (चटाई क्षेत्रफल) वाले घर का स्वामी ना हो (किसी भी सरकारी योजना से प्राप्त घर को छोड़कर), मोटर चालित 3/4 पहिया वाहन, मछली पकड़ने वाली नाव का स्वामी ना हो, यंत्रीकृत 3/4 पहिया कृषि उपकरण का स्वामी ना हो, पूर्व से एल.पी.जी. कनेक्शनधारी ना हो।

वन विकास निगम में 'डिजिटल क्रांति' और 'रोजगार संगम' का सफल मॉडल

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कवर्धा परियोजना मंडल अंतर्गत बोड़ला काष्ठागार में डिजिटल प्रणाली लागू कर कार्यों को अधिक पारदर्शी और सरल बनाया गया है। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार देकर इसे 'डिजिटल क्रांति' और 'रोजगार संगम' का सफल उदाहरण बनाया गया है। काष्ठागार में लगभग 2500 घन मीटर इमारती लकड़ी और 1200 नग जलाऊ लकड़ी का वैज्ञानिक तरीके से भंडारण किया गया है। लकड़ी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित जांच और लंबाई के अनुसार छंटाई की व्यवस्था की गई है। इससे लकड़ी लंबे समय तक सुरक्षित रहती है और नीलामी के दौरान खरीदारों को बेहतर सुविधा मिलती है।

डिजिटल प्रणाली से बढ़ी पारदर्शिता- काष्ठागार में अब अधिकतर कार्य ऑनलाइन और डिजिटल माध्यम से किए जा रहे हैं। प्राप्त लकड़ी का डिजिटल पंजीयन कर व्यवस्थित लॉट तैयार किए जा रहे हैं। लकड़ी और जलाऊ लकड़ी की नीलामी पूरी तरह ऑनलाइन की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और राजस्व में वृद्धि हुई है। खरीदारों को ऑनलाइन भुगतान की सुविधा दी गई है, जिससे समय और श्रम की बचत हो रही है। सेल संकल्प, कार्य आदेश और परिवहन अनुमति जैसे दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार- बोड़ला काष्ठागार केवल लकड़ी भंडारण केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीणों के लिए रोजगार का माध्यम भी बन रहा है। लकड़ी की छंटाई, लॉट निर्माण और लोडिंग जैसे कार्यों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे ग्रामीणों को गांव के पास ही नियमित रोजगार मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। इस प्रकार वन विकास निगम का यह प्रयास शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण है।

वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में महान क्रांतिकारी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीर सावरकर केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी विचारक, समाज सुधारक, ओजस्वी लेखक-कवि और प्रखर इतिहासकार भी थे। उन्होंने भारतीय स्वाधीनता संग्राम को नई वैचारिक ऊर्जा प्रदान की तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए सावरकर जी का त्याग, संघर्ष और अदम्य साहस भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। कालापानी की अमानवीय यातनाओं के बावजूद उनका राष्ट्र के प्रति समर्पण अडिग रहा। उनका संपूर्ण जीवन

देशसेवा, आत्मबल और राष्ट्र गौरव का प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीर सावरकर के विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी श्री आलोक सिंह, श्री राम गर्ग सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के आम/ उप चुनावों की तैयारी प्रारंभ

रायपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री यशवंत कुमार तथा राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे । राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्थानीय निकायो के आगामी आम एवं उप निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से निर्वाचक नामावली के अद्यतन कार्य को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि आगामी आम /अप निर्वाचन हेतु आवश्यक ,निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग से विधानसभा क्षेत्रवार निर्वाचक नामावली का अद्यतन डाटा

शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। उक्त नामावली प्राप्त होते ही जिससे स्थानीय निकाय के आगामी निर्वाचन हेतु समयबद्ध एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार की जाएगी तथा निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के नगरीय निकायो में अध्यक्ष के 6 एव पार्षद के 75 पद तथा ग्रामीण निकायों में जनपद पंचायत सदस्य के 06 पद, सरपंच के 70 पद तथा पंच के 977 पद रिक्त हैं जिन पर आम/उप चुनाव अपेक्षित हैं ।

समय पर सहायता से मजबूत होगा किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था

खुशहाली की खुशहोली, किसानों को मिलेगी धान की एकमुश्त अंतर राशि

रायपुर, 26 फरवरी 2026

होली का त्योहार इस बार किसानों के लिए सिर्फ रंगों की नहीं, बल्कि समृद्धि और खुशहाली की सौगात लेकर आया है। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अंतर राशि होली से पहले एकमुश्त देने के निर्णय ने गांव-गांव में उत्साह का माहौल बना दिया है। यह राशि किसानों के जीवन में आर्थिक राहत के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा रही है। कबीरधाम जिले के ग्राम खिरशाली के किसान श्री मूलचंदन पाटिल के लिए यह निर्णय किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने इस वर्ष धान खरीदी केंद्र में 31.20 क्विंटल धान बेचा था, जिसकी समर्थन मूल्य की राशि उन्हें समय पर बैंक खाते में मिल गई। अब अंतर राशि भी होली से पहले मिलने की खबर से उनके परिवार में खुशियों की लहर दौड़ गई है। श्री पाटिल बताते हैं कि इस बार खरीदी केंद्र में पूरी प्रक्रिया सहज और व्यवस्थित रही, जिससे

उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। वे कहते हैं कि इस राशि से वे अपने बच्चों के लिए नए कपड़े, घर की आवश्यक सामग्री और त्योहार के लिए रंग-गुलाल खरीद सकेंगे।

ग्राम छांटा के किसान श्री भोलाराम चंद्रवंशी ने बताया कि 5.57 एकड़ में धान तथा शेष भूमि में गन्ने की खेती करते हैं। इस सीजन उन्होंने 84.40 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा। वे बताते हैं कि समय पर भुगतान मिलने से उन्हें आर्थिक चिंता नहीं रही और अब होली से पहले अंतर राशि मिलने से घर की आवश्यक जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ खेती के कामों में भी सुविधा होगी। उनका कहना है कि त्योहार के समय यह राशि मिलना परिवार के लिए बहुत बड़ी राहत है।

इसी तरह ग्राम मोटियारी के किसान श्री मेलनराम जायसवाल ने भी सरकार के इस निर्णय पर प्रसन्नता जताई है। उन्होंने इस वर्ष लगभग 212 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा है। मूल भुगतान उन्हें पहले ही मिल चुका है, लेकिन अंतर राशि होली से पहले मिलने की घोषणा ने उनकी आर्थिक योजनाओं को नया बल दिया है। उनका कहना है कि होली के बाद खेती का नया सीजन शुरू हो जाता है, ऐसे में यह राशि पारिवारिक जरूरतों के साथ-साथ खेती-किसानी के कार्यों में बहुत उपयोगी साबित होगी। वे इस राशि से ट्रैक्टर ट्रॉली खरीदने की योजना बना रहे हैं, जिससे खेती का काम आसान होगा और आय के नए अवसर भी बढ़ेंगे। किसानों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय उनकी जरूरतों को पूरा करती है। होली से पहले आर्थिक सहायता मिलने से न केवल त्योहार की खुशियां दोगुनी हुई हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। यह पहल से समय पर मिला सहयोग किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे त्योहार भी खुशहाल, खेती भी सशक्त और भविष्य भी सुरक्षित होगी।

संपादकीय

सांप्रदायिक भावनाओं के कारण तनाव

राजनेताओं को स्वार्थ से उठ कर समस्या पर विचार करना चाहिए। समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ रहे हों, तब थोपी गई एकता कारगर नहीं हो सकती। जरूरत पहले सामाजिक दुराव खत्म करने की है। पिछले महीने मणिपुर चूराचंदपुर में 31 वर्षीय मयंगलम्बम सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी गई थी, जब वे अपनी मंगेतर से मिलने गए थे। मंगेतर कुकी-जो समुदाय की थी। उस हृदय-विदारक घटनाक्रम में इकट्ठी भीड़ ने युवती को वहां से जाने दिया। उसके बाद मयंगलम्बम सिंह को मार डाला गया। हत्यारों ने दया की भीख मांगते उस व्यक्ति का वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर प्रचारित किया। इस घटना से जाहिर हुआ था कि पौने तीन साल से जारी हिंसा ने मैतेई और कुकी समुदायों में किस हद तक दुराव पैदा किया है। उस घटना के बाद मीडिया में आई रिपोर्टों से संकेत मिला है कि सांप्रदायिक नफरत का ये जहर किस हद तक फैला चुका है। असर इतना घातक है कि अब विवाहित मैतई और कुकी दंपती अपने को मुसीबत में पा रहे हैं। ऐसे कई सामने आए मामले हैं, जिनमें ऐसे दंपतियों पर तलाक लेने का दबाव उनके समुदाय के लोगों ने बनाया हैं। उनमें कई दंपतियों की कई संतानें भी हैं। कुछ मामले तो ऐसे हैं, जिनमें पति- पत्नी हिंसा भड़कने के बाद से अलग रहने को मजबूर हैं। हैरतअंगेज है कि राजनीतिक दलों को समाज में उभरी ऐसी विभाजक प्रवृत्तियों की फिक्र नहीं है। इन हालात को नजरअंदाज करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने इस महीने मणिपुर में नई सरकार बनाई। उसके बाद से राज्य में हिंसा का नया दौर आया हुआ है। चूराचांदपुर, उखरुल और अन्य कुकी बहुल इलाकों में आगजनी, पथराव, पुलिस से झड़प आदि जैसी अनेक घटनाएं हुई हैं। कुकी-जो समुदाय के लोग अपनी बहुलता वाले इलाको को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग कर रहे हैं। यानी वे मणिपुर का हिस्सा नहीं रहना चाहते, जिसमें मैतेई बहुसंख्यक हैं। राजनेताओं को थोड़े समय के लिए स्वार्थ से उठ कर इस समस्या पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि जब समाज में सांप्रदायिक भावनाओं के कारण व्यक्तिगत रिश्ते तनाव में आ गए हों, तब ऊपर से थोपी गई राजनीतिक एकता कारगर नहीं हो सकती। अत: जरूरत पहले सामाजिक दुराव खत्म करने की है। इसे जितना नजरअंदाज किया जाएगा, स्थितियां उतनी ही विकट होती जाएंगी।

यूट्यूब से कमाई का बुलबुला फूट रहा

हरिशंकर व्यास

भारत में तीन दशक पहले डिजिटल क्रांति आई तो भारत कंप्यूटर और इंटरनेट का दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना। वैसे ही डेढ़ दशक पहले सोशल मीडिया की क्रांति हुई तो भारत उसका भी सबसे बड़ा बाजार बना। भारत में अभी फेसबुक, यूट्यूब, गूगल आदि के सबसे ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। इसी तरह दो साल पहले जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की क्रांति हुई उसका भी सबसे बड़ा बाजार भारत बन गया है। भारत में ओपन एआई का इस्तेमाल करने वाले सबसे ज्यादा लोग हैं। जिस तरह से भारत आईटी क्रांति और सोशल मीडिया क्रांति का बाजार बना है उसी तरह एआई क्रांति का भी बाजार बना है। लेकिन अब इस बाजार के डायनेमिक्स बदल रहे है। अमेरिका की एआई कंपनियों ने मार्केटिंग की दिशा में अगला कदम बढ़ा दिया है। खबर है कि अब उनके एआई प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल मुफ्त नहीं होगा। पहले चरण में इसमें विज्ञापन इंट्रोड्यूस किए जा रहे हैं। एआई का कोई भी प्लेटफॉर्म खोलने पर विज्ञापन चलेगा। अगर किसी को विज्ञापन मुक्त सेवा लेनी है तो उसे सब्सक्रिप्शन लेना होगा। मार्केटिंग का यह तरीका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स द्वारा पहले से आजमाया जाने लगा है। प्रीमियम सर्विस के लिए पैसे देने होते हैं और मुफ्त सर्विस में विज्ञापन चलते हैं। इस विज्ञापन से अरबों डॉलर की कमाई होती है और वह पूरा पैसे अमेरिका जाता है। सोचें, विज्ञापन भारत के उत्पादों का होता है और उनके खरीदार भी भारत के लोग होते हैं। लेकिन उसका विज्ञापन करने वाला प्लेटफॉर्म विदेशी है। पहले विज्ञापन का प्लेटफॉर्म अखबार, पत्रिकाओं और टेलीविजन चैनलों का होता था। बाद में इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म्स शामिल हुए। धीरे धीरे उन्होंने बाजार पर कब्जा करना शुरू किया। सरकारों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विज्ञापन के नए नियम बनाए। आज विज्ञापन का सबसे ज्यादा हिस्सा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को जाता है। उसमें गूगल, यूट्यूब, फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी है। ऐसा नहीं है कि इसका लाभ सिर्फ अमेरिकी कंपनियों ने उठाया। उन्होंने भारत के सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को कमाई का माध्यम भी उपलब्ध कराया। भारत में रील बनाना और डिजिटल कंटेंट बना कर कमाई करना एक वैकल्पिक रोजगार बना। ऐसा रोजगार, जिसमें सरकारों की कोई भूमिका नहीं थी लेकिन पिछले ही साल बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्होंने डाटा इतना सस्ता कर दिया कि लाखों लोग डिजिटल कंटेंट बना कर कमाई कर रहे हैं। उन्होंने रीलबाजी को एक रोजगार बताया। इतना ही नहीं इस साल जब मोदी की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया तो उसमें 15 हजार कंटेंट क्रिएशन लैब्स बनाने का प्रावधान किया । सोचें, दुनिया के सभ्य और विकसित देश इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी बनाने के लिए साइंस और टेक्नोलॉजी के लैब्स बना रहे हैं वही भारत में कंटेंट क्रिएशन के लैब बनने है! परंतु इस रोजगार की राह भी अब मुश्किल हो गई है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने दर्शकों और पाठकों तक रीच घटाई है। साथ ही मोनेटाइजेशन को कम किया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर तो पहले भी कम पैसे मिलते थे लेकिन यूट्यूब वीडियोज से लोगों को अच्छी खासी कमाई होती थी। पहले तो इनकी पैरेंट कंपनी मेटा ने वीडियो की लंबाई और गुणवत्ता के आधार पर भुगतान के नए नियम बनाए। इसमें छोटे यानी शॉर्ट वीडियोज और रील्स के लिए भुगतान काफी कम कर दिया। लंबे वीडियो पर अगर दर्शक ज्यादा देर टिकता था तो उसमें ज्यादा भुगतान के नियम बने। इस तरह 30 सेकेंड, तीन मिनट या उससे ज्यादा, 10 मिनट या उससे ज्यादा और 30 मिनट या उससे ज्यादा की अवधि वाले वीडियो की श्रेणियां बनाई गईं।

क्लिक के दलदल में फंसा समाज: गालियों से ग्रोथ, शोर से शोहरत

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल दुनिया कभी ज्ञान, संवाद और रचनात्मकता की प्रयोगशाला मानी जाती थी। यह विश्वास था कि इंटरनेट लोकतंत्र को मज़बूत करेगा, हाशिये पर खड़े लोगों को आवाज़ देगा और असली प्रतिभा को पहचान दिलाएगा। लेकिन आज जब हम स्क्रीन पर उँगली चलाते हैं, तो एक अलग ही सच सामने आता है। यहाँ हुनर से ज़्यादा हंगामा बिकता है, विचार से ज़्यादा विवाद और मेहनत से ज़्यादा मीम। Facebook और Instagram जैसे मंचों पर 'वायरल' होना सफलता की कसौटी बन चुका है। सवाल यह नहीं कि लोग मशहूर क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि हम किस तरह की मशहूरी को पुरस्कार बना रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का पूरा ढांचा ध्यान के व्यापार पर टिका है। जितनी देर आप स्क्रीन पर टिके रहेंगे, उतना अधिक मुनाफ़ा पैदा होगा। इस गणित में शोर सबसे सस्ता और असरदार हथियार है। ऊँची आवाज़, उग्र भाषा, भड़काऊ हावभाव और अति-नाटकीयता — यही वह मुद्रा है जिसे एल्गोरिद्म सबसे ज़्यादा पसंद करते हैं। जो व्यक्ति ठहराव से, तर्क से और संयम से बात करता है, वह भीड़ में गुम हो जाता है, जबकि तमाशा करने वाला मंच के बीचोंबीच बैठा होता है।

यह केवल कंटेंट की समस्या नहीं है, बल्कि प्रोत्साहन की है। जब प्लेटफ़ॉर्म वही दिखाते हैं जो क्लिक दिलाता है, तो रचनाकार भी वही बनाने को मजबूर होता है। इस दौड़ में गुणवत्ता पीछे छूट जाती है और उत्तेजना आगे बढ़ती जाती है। धीरे-धीरे यह एक आदत बन जाती है, और आदत अंतत: संस्कृति में बदल जाती है।

कभी हुनर का अर्थ था — अभ्यास, अनुशासन और धैर्य। आज हुनर का मतलब है ट्रेंड पकड़ लेना। कोई सड़क पर नाचकर मशहूर है, कोई गालियाँ देकर 'बोल्ड' कहलाता है, कोई निजी जीवन को सार्वजनिक तमाशा बनाकर 'रियल' होने का दावा करता है। असली प्रश्न यह नहीं कि ये लोग क्यों देखे जा रहे हैं, बल्कि यह है कि समाज किस तरह के आदर्श गढ़ रहा है।

यह नया मापदंड युवाओं के मन में एक खतरनाक संदेश बैठा रहा है — कि शॉर्टकट ही सफलता है। अगर आप शांत हैं, तो आप उबाऊ हैं। अगर आप गहरे हैं, तो आप अप्रासंगिक हैं। यह सोच न केवल कला और ज्ञान का अपमान है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी ज़हरीली

है। युवा खुद को लगातार तुलना के आईने में देखने को मजबूर है, जहाँ आत्मसम्मान लाइक्स और व्यूज़ की संख्या से तय होता है।

डर इस बात का है कि आने वाली पीढ़ी किताबें ज्ञान के लिए नहीं, बल्कि कंटेंट के लिए पढ़े। इतिहास, साहित्य और दर्शन अब सीखने के साधन नहीं, बल्कि विवाद पैदा करने की सामग्री बनते जा रहे हैं। लंबी सोच, संदर्भ और नैतिकता — इन सबको 'बोरिंग' कहकर किनारे किया जा रहा है। जबकि सच यह है कि ज्ञान कभी त्वरित नहीं होता। वह समय मांगता है, धैर्य मांगता है और असहज सवालों से जूझने की ताक़त मांगता है। आज सच बोलने वाले के पास अक्सर सन्नाटा होता है। उसकी बातों में सनसनी नहीं होती, उसके निष्कर्ष तुरंत तालियाँ नहीं बटोरते। दूसरी ओर, तमाशा करने वालों के पास मेला होता है — लाइक्स, शेयर, फॉलोअर्स और ब्रांड डील्स। यह असंतुलन खतरनाक है, क्योंकि समाज शोर से नहीं, संवाद से आगे बढ़ता है। जब संवाद की जगह शोर ले लेता है, तो बहस तमाशा बन जाती है और असहमति दुश्मनी।

युवावर्ग इस पूरे परिदृश्य में सबसे ज़्यादा उलझन में है। एक ओर रोज़गार की अनिश्चितता, दूसरी ओर डिजिटल चमक का झूठा वादा। उसे बताया जा रहा है कि पहचान पाने का सबसे तेज़ रास्ता विवाद है। मेहनत, अध्ययन और धैर्य — ये सब धीमे रास्ते हैं, जबकि दुनिया तुरंत नतीजे चाहती है। इस जल्दबाज़ी की कीमत युवा थकान, अकेलेपन और अंदरूनी खालीपन के रूप में चुका रहा है।

अक्सर यह मान लिया जाता है कि प्लेटफ़ॉर्म तटस्थ हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि एल्गोरिद्म नैतिक नहीं होते। वे केवल लक्ष्य देखते हैं, और लक्ष्य है — अधिक समय, अधिक ध्यान। इसलिए वे वही दिखाते हैं जो हमें बाँधे रखे, चाहे वह नफ़रत हो, झूठ हो या खोखला मनोरंजन। ऐसे में ज़िम्मेदारी केवल प्लेटफ़ॉर्म की नहीं, हमारी भी है। हम जो देखते हैं, वही बढ़ता है। हम जिसे साझा करते हैं, वही फैलता है।

इस सर्कस से बाहर निकलने का रास्ता कोई त्वरित समाधान नहीं है। यह एक धीमी लेकिन ज़रूरी क्रांति है। डिजिटल साक्षरता, गहरी सामग्री को सम्मान, ईमानदार रचनाकारों का समर्थन और अपने देखने-साझा करने के चुनावों के प्रति सजगता — यही वह रास्ता है जिससे दिशा बदली जा सकती है। असहमति को शालीनता के साथ जगह देना और तर्क को ट्रोलिंग पर तरजीह देना भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।

डिजिटल संसार का सर्कस बन जाना महज़ एक टिप्पणी नहीं, बल्कि चेतावनी है। सर्कस मनोरंजन देता है, दिशा नहीं। समाज को दिशा चाहिए — ज्ञान से, विवेक से और नैतिक साहस से। अंतत: सवाल युवाओं से ही है: आप इस मेले का हिस्सा बनना चाहते हैं, या उस सन्नाटे के गवाह — और वाहक — जो सच के लिए ज़रूरी है?

फैसला आज का है, असर आने वाले कल पर पड़ेगा। शोर आसान है, अर्थ गढ़ना कठिन। लेकिन इतिहास हमेशा उन लोगों को याद रखता है, जिन्होंने कठिन रास्ता चुना।

अयोध्या अब धार्मिक नगरी ही नहीं , अर्थव्यवस्था का भी बड़ा केंद्र है

रामस्वरूप रावतसरे

अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर की नींव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2020 को रखी थी और 22 जनवरी 2024 को श्री राम जन्मभूमि मंदिर का भव्य उद्घाटन भी हो गया था। इस ऐतिहासिक घटना से भारत की सांस्कृतिक चेतना की पुनर्स्थापना तो हुई ही, साथ ही साथ अयोध्या केवल एक धार्मिक नगरी से आगे बढ़कर अर्थव्यवस्था के एक बड़े केंद्र के रूप में भी उभरकर सामने आने लगी है। केंद्र और यूपी सरकार की कोशिशों से अयोध्या विकास की पटरी पर सरपट दौड़ रही है।

भारतीय संस्कृति ब्लॉग- भारत के मंदिर केवल आस्था के केंद्र नहीं रहे बल्कि उन्होंने सदियों से स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार और बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई है। तिरुपति, वैष्णो देवी और उज्जैन के महाकाल जैसे तीर्थस्थल इसके उदाहरण हैं। अब अयोध्या भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक विकास और सांस्कृतिक विरासत के संगम का नया मॉडल बनती जा रही है।

भारत की टेंपल इकोनॉमी को लेकर जानकारों का कहना है कि टेंपल इकोनॉमी का मतलब उन सभी आर्थिक गतिविधियों से है जो मंदिरों के कारण पैदा होती हैं जैसे दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु, तीर्थ पर्यटन, मंदिर प्रबंधन, प्रसाद, फूल-माला, होटल, परिवहन और अन्य सेवाएँ। भारत में मंदिर सिर्फ पूजा के स्थान नहीं रहे बल्कि हजारों सालों से आर्थिक गतिविधियों के बड़े केंद्र भी रहे हैं। पुराने समय में जब अर्थव्यवस्था स्थानीय स्तर पर चलती थी, तब मंदिर आसपास के लोगों को रोजगार और व्यापार के अवसर देते थे। तीर्थयात्रा के कारण दुकानदारों, कारीगरों, पुजारियों, गाइडों और अन्य काम करने वालों को काम मिलता था। वाराणसी, मदुरै, पुष्कर और उज्जैन जैसे शहर इसके उदाहरण हैं। ये शहर किसी बड़े उद्योग के लिए नहीं बल्कि अपने प्रसिद्ध मंदिरों और तीर्थ स्थलों के लिए जाने जाते हैं। मंदिरों के आसपास बनी यह अर्थव्यवस्था सदियों से इन शहरों को सहारा देती रही है।

स्टेटबैंक ऑफइंडिया और अन्य आर्थिक विशेषज्ञों के अनुमान के अनुसार, भारत की टेंपल इकोनॉमी हर साल लगभग 3.02 लाख करोड़ से 6 लाख करोड़ तक का योगदान देती है। यह देश के कुल जीडीपी का करीब 2.3 प्रतिशत से 3 प्रतिशत हिस्सा है। इसी संदर्भ में राम मंदिर अयोध्या की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा रहा है और शहर को दुनिया के प्रमुख तीर्थ स्थलों में शामिल कर रहा है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 5 फरवरी 2020 से 5 फरवरी 2025 के बीच लगभग 400 करोड़ कर के रूप में सरकार को दिए। इसमें 270 करोड़ जीएसटी और 130 करोड़ अन्य करों के रूप में शामिल हैं। राम मंदिर के निर्माण पर सरकार को लगभग 400 करोड़ जीएसटी मिलने का अनुमान बताय जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम मंदिर के उद्घाटन के बाद आर्थिक गतिविधियों का प्रभाव कई गुना बढ़ गया है। धार्मिक पर्यटन ने यहाँ परिवहन, होटल, भोजन, व्यापार और दान अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व गति दी है। आईआईएम लखनऊ की रिपोर्ट में बताया गया है कि जनवरी से दिसंबर तक 2024 के बीच अयोध्या में 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुँचे। इसी प्रकार 2025 में जनवरी से जून तक 23 करोड़ 81 लाख 64 करोड़ 744 भारतीय और 49993 विदेशी श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए आये।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक शोध के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024 में सिर्फ अयोध्या से जुड़ी तीर्थ यात्रा और उससे संबंधित गतिविधियों से 4 लाख करोड़ से ज्यादा का आर्थिक उत्पादन (इकोनॉमिक आउटपुट) होने का अनुमान बताया था। यानी राम मंदिर के कारण यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं से पर्यटक, होटल, दुकानों और परिवहन जैसी सेवाओं से बहुत बड़ा आर्थिक फायदा हो रहा है।

जानकारों के अनुसार मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक ही दिन में 3 करोड़ से ज्यादा की भेंट चढ़ाई गई थी। यह दिखाता है कि श्रद्धालुओं की आस्था के साथ-साथ यहाँ बड़ी आर्थिक गतिविधि भी जुड़ी हुई है। वित्त वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार को अतिरिक्त 25,000 करोड़ तक का कर राजस्व मिलने की संभावना जताई गई है। इसमें जीएसटी और अन्य तरह के टैक्स शामिल हैं। यानी मंदिर और पर्यटन से राज्य की आमदनी भी बढ़ रही है, जिसका इस्तेमाल विकास कार्यों में किया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राम मंदिर निर्माण की परियोजना से सीधे 1,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है, जो राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं। यानी मंदिर के प्रबंधन, सुरक्षा, प्रशासन और अन्य कार्यों में हजार से ज्यादा लोग नियमित रूप से काम कर रहे हैं। निर्माण के दौरान स्थिति और भी व्यापक थी। मंदिर के निर्माण कार्यों में 50,000 से अधिक मजदूर अलग-अलग चरणों में जुड़े। इसमें राजमिस्त्री, इंजीनियर, पत्थर तराशने वाले कारीगर, ट्रांसपोर्ट से जुड़े लोग और अन्य श्रमिक शामिल थे। इससे हजारों परिवारों की आमदनी बढ़ी।

जानकारी के अनुसार मंदिर बनने के बाद सिर्फ प्रत्यक्ष रोजगार ही नहीं बल्कि अप्रत्यक्ष रोजगार भी तेजी से बढ़ा। सीधे और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से करीब 1.2 लाख नई नौकरियाँ पैदा हुई हैं। ये नौकरियाँ होटल और पर्यटन, हस्तशिल्प और धार्मिक वस्तुओं के व्यापार, स्थानीय परिवहन और टूर गाइड सेवाओं जैसे क्षेत्रों में बनी हैं। लोगों को कई क्षेत्रों में नया रोजगार या अतिरिक्त कमाई का अवसर मिला।

यूपी सरकार ने अयोध्या को एक आधुनिक और विश्व स्तरीय आध्यात्मिक नगरी बनाने के लिए अयोध्या मास्टर प्लान 2031 के तहत 85,000 करोड़ से अधिक के निवेश का प्रस्ताव रखा है। इसका उद्देश्य सिर्फ मंदिर क्षेत्र का विकास नहीं बल्कि पूरे शहर को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करना है ताकि आने वाले वर्षों में बढ़ती आबादी और तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें।

इस योजना में नई सड़कों, बेहतर जल निकासी व्यवस्था, स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, आधुनिक बस टर्मिनल, पार्किंग जोन और शहरी सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया गया है। यानी अयोध्या को एक व्यवस्थित और साफ-सुथारे शहर के रूप में तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा सड़कों, हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों को भी विकसित किया गया है।

दिसंबर 2023 से शुरू हुआ महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या की कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव लेकर आया है। वित्त वर्ष 2025 में इस हवाई अड्डे ने 1.1 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला जो पिछले वर्षों की तुलना में 423 प्रतिशत वृद्धि दिखाता है। इसका मतलब है कि अब देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग सीधे अयोध्या पहुँच पा रहे हैं। भविष्य में इसकी क्षमता को 10 करोड़ यात्रियों प्रति वर्ष तक बढ़ाने की योजना है।

देशी कंपनियों के सामने हार्ले डेविडसन की चुनौती

अजीत द्विवेदी

भारत और अमेरिका के बीच दोपक्षीय व्यापार वार्ता चलती रहेगी लेकिन उससे पहले अंतरिम समझौते की घोषणा हो गई है। जिस दिन घोषणा हुई यानी समझौते का फ्रेमवर्क और साझा बयान जारी हुआ उसके अगले दिन, आठ फरवरी को पता नहीं अमेरिका के अखबारों में किसी भारतीय उत्पाद का विज्ञापन छपा या नहीं, लेकिन भारत की राजधानी दिल्ली में सभी बड़े अखबारों में पहले पन्ने पर पूरे पेज पर अमेरिकी मोटरसाइकिल हार्ले डेविडसन का विज्ञापन छपा। 125 सीसी की हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल की कीमत तीन लाख रुपए से कम बताई गई। ध्यान रहे यह कोई सामान्य मोटरसाइकिल नहीं है। यह अमेरिकी औद्योगिक उत्पादन श्रृंखला का प्रतीक उत्पाद है। पहली बार राष्ट्रपति रहते डोनाल्ड ट्रंप इसी बाइक पर लगने वाले सौ फीसदी से ज्यादा टैरिफ को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नाराज हुए थे। उन्होंने भारत को टैरिफ किंग कहा था। बाद में भारत सरकार ने इस पर लगने वाला शुल्क कम किया। अब खबर है कि नए समझौते के तहत इस पर जीरो टैरिफ लगेगा। भारत में मोटरसाइकिल का बाजार बहुत बड़ा है और अब देशी कंपनियों के सामने हार्ले डेविडसन की चुनौती है।

बहरहाल, अमेरिका के साथ होने वाले सौदे को लेकर बहुत सी बातें कही और लिखी जा चुकी हैं। जैसे पहले भारतीय उत्पादों पर तीन फीसदी टैरिफ लगता था अब 18 फीसदी लगेगा और भारत में अमेरिकी उत्पादों पर औसतन 15 फीसदी टैरिफ लगता था, जिसको शून्य किए जाने की खबर है। इसी तरह भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया है और अमेरिका से खरीद बढ़ा दी है। ऐसे ही भारत अब वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू करेगा। यह तेल भारत को महंगा पड़ेगा।

फ्रेमवर्क का ड्राफ्ट सामने आने और रूस से तेल खरीद की वजह से भारत पर लगाए गए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को वापस लेने के राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकारी आदेश की प्रति सामने आने के बाद कुछ नई और दिलचस्प चीजें पता चली हैं। ट्रंप के कार्यकारी आदेश में लिखा हुआ है कि अगर भारत ने फिर रूस से तेल खरीदना शुरू किया तो उसके ऊपर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। सोचें, किसी संप्रभु राष्ट्र के लिए क्या कोई दूसरा देश इस तरह के आदेश और धमकी जारी कर सकता है? ट्रंप ने भारत के लिए जारी किया लेकिन सब अपनी सुविधा के हिसाब से उनकी अनदेखी कर रहे हैं।

ऐसे ही फ्रेमवर्क में एक दिलचस्प बात यह है कि भारत अगले पांच साल में अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर के सामान खरीदेगा। यानी हर साल भारत को एक सौ अरब डॉलर के सामान खरीदने हैं। सवाल है कि भारत क्या खरीदेगा? अभी अमेरिका से भारत की औसत सालाना खरीद 40 अरब डॉलर की है। इसको दोगुने से ज्यादा बढ़ाना है। भारत अमेरिका से ऐसा क्या खरीदना शुरू करेगा कि उसका आयात दोगुने से ज्यादा बढ़ कर सौ अरब डॉलर यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा? यह सही है कि भारत ने तेल खरीद बढ़ा दी है। तेल व गैस की खरीद थोड़ी और बढ़ाई जा सकती है। कुछ विमान व विमानों के कल पुर्जों की खरीद बढ़ जाएगी लेकिन क्या इससे भारत का आयात दोगुना हो जाएगा? कम से कम पहले साल में तो नहीं होने वाला है।

भारत दुनिया के दूसरे देशों से सस्ती और जरुरत की चीजें छोड़ कर अमेरिका से ज्यादा और गैरजरूरी चीजों की खरीद करे तब तो बात अलग है। अन्यथा ऐसे हर साल नौ लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदना मुश्किल होगा। अगर भारत ने समझौते की इस शर्त को पूरा नहीं किया तो क्या होगा? सबको पता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सबसे करीबी सहयोगियों में से एक दक्षिण कोरिया के साथ क्या किया? उन्होंने दक्षिण कोरिया से समझौता किया और एक दिन अचानक कहा कि वह समझौते की शर्तों को ठीक से लागू नहीं कर रहा है इसलिए उसके ऊपर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाता है। भारत के सामने भी यह खतरा रहेगा।

ध्यान रहे अभी तक भारत और अमेरिका के बीच व्यापार में संतुलन भारत के पक्ष में था। अमेरिका से भारत अभी करीब चार लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदता है और उसे सात लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का सामान बेचता है। दुनिया के ज्यादातर देशों के साथ अमेरिका का व्यापार संतुलन ऐसा ही था। तभी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अब तक अमेरिका सभी देशों के साथ व्यापार में घाटा उठाता रहा है, अब वे इसे बदलेंगे। यानी अब अमेरिका मुनाफा कमाएगा। भारत के साथ व्यापार में भी ऐसा ही होगा। अब व्यापार संतुलन अमेरिका के पक्ष में होगा। अगर भारत चाहता है कि ऐसा न हो तो वह अमेरिका से नौ लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदेगा और उसे इससे ज्यादा का सामाना बेचना होगा।

सोचें, अभी भारत सात लाख करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा का सामान बेचता है अब अचानक तीन या चार लाख करोड़ रुपए का कौन सा सामान बेचने लगेगा कि व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में झुके? यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि यूरोपीय संघ के साथ भी भारत ने मुक्त व्यापार संधि की है। ब्रिटेन और न्यूजीलैंड के साथ भी संधि हुई है। इन देशों को भी सामान बेचना है। इसे एक अवसर माना जा सकता है। लेकिन क्या अवसर का लाभ उठाने के लिए भारत तैयार है?

सौदे में एक और दिलचस्प बात यह है कि वाणिज्य मंत्री ने उन वस्तुओं की सूची गिनाई, जिनका निर्यात भारत करेगा। उसमें सेब और एवाकाडो भी है। सोचें, भारत में अपने इस्तेमाल का एवाकाडो तंजानिया, पेरू, चिली, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से आता है तो भारत कहां से एवाकाडो अमेरिका को निर्यात करेगा। इसी तरह भारत में सेब की अपनी जरुरत अमेरिका से लेकर न्यूजीलैंड और चीन के सेब से पूरी होती है। बहरहाल, भारत को एक तरफ अनाज, फल आदि का उत्पादन बढ़ाना होगा, उन्हें पेस्टिसाइड से मुक्त करना होगा और अमेरिकी व यूरोपीय स्टैंडर्ड का करना होगा। उसके साथ ही अपना बुनियादी ढांचा भी मजबूत करना होगा।

सरकार कह रही है कि उसने किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया है। लेकिन अभी समझौते का अंतिम मसौदा सामने आना बाकी है। सरकार ने सोयाबीन तेल पर से टैरिफ हटा दिया है, जबकि अभी तक उस पर 45 फीसदी टैरिफ लगता था। इसी तरह ड्राई डिस्टिलर्स ग्रेन को अनुमति दी गई और उस पर लगने वाले 14 फीसदी टैरिफ को जीरो किया गया है। बादाम पर 42 रुपए प्रति किलो और बादाम गिरि पर सौ रुपए किलो टैरिफ लगता था और अखरोट एक सौ फीसदी व अखरोट गिरि पर 120 फीसदी टैरिफ लगता था। उसे भी जीरो कर दिया गया है।

इससे किसानों पर होने वाले असर का आकलन होना बाकी है लेकिन भारत को मिलने वाले आयात शुल्क में इससे अच्छी खासी कमी आएगी। सो, अगर भारत का निर्यात बहुत बड़ी मात्रा में नहीं बढ़ता है और आयात बढ़ता जाता है और अनेक चीजों पर आयात शुल्क कम हो जाता है तो भारत को विदेशी मुद्रा की कमी का सामना करना पड़ सकता है। बहरहाल, सौदे में कुछ तो गड़बड़ी है, जिसकी वजह से कोई खुल कर नहीं बात कर रहा है। सौदे के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री कहते हैं कि वाणिज्य मंत्री बताएंगे और रूस से तेल खरीदने के मामले पर वाणिज्य मंत्री कहते हैं कि विदेश मंत्री जानें या तेल कंपनियां जानें। भारत में शासन की इतनी केंद्रीकृत व्यवस्था में पहली बार ऐसा विकेंद्रीकरण देखने को मिल रहा है।

हार्ट से लेकर ब्रेन तक के लिए फायदेमंद है धनिया

हरे धनिये की पत्तियों का इस्तेमाल अक्सर सब्जियों के स्वाद और सलाद के लिए किया जाता है, वहीं हरी चटनी पकौड़े के स्वाद को दोगुना कर देती है। लेकिन इसी के साथ ही धनिया पत्तियों के कई फायदे हैं जिसके बारे में शायद ही आपको पता हो। तो जानते हैं हरे धनिया पत्ती के 10 फायदों के बारे में।

- धनिये की पत्तियों में विटामिन ए और सी पाया जाता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करते हैं।
- गर्मी हो सर्दी, इसका इस्तेमाल करना हर समय शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाता है।
- पाचन शक्ति को मजबूत रखना है तो इसका इस्तेमाल आपको नियमित तौर पर करना चाहिए। इससे आपकी पाचन शक्ति बढ़ती है।
- धनिये की पत्तियों के सेवन से पेट संबंधी परेशानियों में आराम मिलता है और बदहजमी, पेट में दर्द, गैस की समस्या से छुटकारा मिलता है।
- जाड़े में खाने की मात्रा अधिक होने पर दस्त की शिकायत बढ़ने लगती है। ऐसे में धनिये की चटनी व सलाद पेट को राहत पहुंचाती है।
- धनिया की पत्ती विटामिन ए और सी का मुख्य स्रोत है। ये हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधी क्षमता को मजबूत करते हैं।
- इसके नियमित सेवन से सर्दी-खांसी से छुटकारा मिलता है।
- धनिया में मौजूद तत्व शरीर से कॉलेस्ट्रॉल कम कर उसे कंट्रोल में रखते हैं। यह खून में इंसुलिन की मात्रा को नियमित करता है।
- धनिया महिलाओं में मासिक धर्म संबंधी समस्याओं को दूर करता है। अगर पीरियड्स साधारण से ज्यादा हो तो आधा लीटर पानी में लगभग 6 ग्राम धनिये के बीज डालकर उबालें। इस पानी में चीनी डालकर पीने से फायदा होगा।
- इसमें मौजूद विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम व मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में मौजूद होता है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

करेला खाने से दूर होती है ये बीमारियां

करेला औषधि के रूप में इस्तेमाल करने के लिए कच्चा करेला ही ज्यादा मुफीद होता है। करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है। इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होती हैं और करेला पक जाए तो बीज लाल हो जाते हैं। जब तक पकता नहीं तब तक बीज सफेद रहते हैं।

करेले का न्युट्रिशनल वैल्यू

करेले में प्रचुर मात्रा में विटामिन ए, बी और सी पाए जाते हैं। इसके अलावा कैरोटीन, लुटीन, जिंक, पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैगजीज जैसे फ्लावोन्वाइड भी पाए जाते हैं। करेले में मौजूद खनिज और विटामिन शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाते हैं जिससे कैंसर जैसी बीमारी का मुकाबला भी किया जा सकता है। डार्क करेला में ढेरों एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन पाए जाते हैं। करेले का सेवन हम कई रूपों में कर सकते हैं। हम चाहें तो इसका जूस पी सकते हैं, सब्जी या अचार बना सकते हैं। करेला ठंडा होता है, इसलिए यह गर्मी से पैदा हुई बीमारियों के इलाज के लिए बहुत लाभकारी है। अगर आपकी पाचन शक्ति कमजोर हो तो किसी भी प्रकार करेले का नित्य सेवन करने से पाचन शक्ति मजबूत होती है।

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना है सिंघाड़ा जमकर खाएं

ब्लड प्रेशर बढ़ना एक गंभीर समस्या है। इसके कारण दिल, दिमाग और किडनी डैमेज हो सकती हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन बताता है कि 30 वर्ष से 79 वर्ष तक के करीब 128 करोड़ लोगों को हाइपरटेंशन (हाई बीपी) की बीमारी है, जो कि कम उम्र में मौत का कारण बन रही है।

सिंघाड़ा खाकर हाई बीपी का देसी इलाज किया जा सकता है। क्योंकि बीपी को कंट्रोल में करने में सिंघाड़ा मदद करता है। यह सुपरफूड हाई बीपी का ऊपर और नीचे वाला लेवल कम कर सकता है। ऐसा कई शोध दावा करते हैं। हाई बीपी के मरीजों को डाइट में सिंघाड़ा खाना चाहिए। सिंघाड़े को कई बीमारी के मरीज खा सकते हैं। दिल के मरीजों के साथ दर्द से परेशान और डायबिटिक पेशेंट के लिए सिंघाड़ा फायदेमंद होता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन पर छपी एक रिसर्च बताती है कि सिंघाड़े में इन बीमारियों का इलाज करने वाले गुण होते हैं।

दिल की बीमारी की जड़ है हाई बीपी

दुनियाभर में सबसे ज्यादा मृत्यु दिल से जुड़ी बीमारी के कारण होती हैं। जिसकी जड़ कोलेस्ट्रॉल के साथ हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) होती है। तेज सिरदर्द होना, सांस फूलना और नाक से खून आना हाई ब्लड प्रेशर के संकेत होते हैं।

सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर कम होगा

नॉर्मल बीपी कितना होना चाहिए? नॉर्मल बीपी 120/80 होना चाहिए। जिसमें ऊपर वाला लेवल सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर और नीचे वाला लेवल डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर कहलाता है। सिंघाड़ा खाने से सिस्टोलिक और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर कई पॉइंट नीचे आ जाता है।

पतला बनाता है सिंघाड़ा

सिंघाड़े में पानी बहुतायत में होता है, जिस कारण इसे हाई-वॉल्यूम फूड कहा जाता है। इसे खाने से फैट नहीं बढ़ता है और आपको वजन कम करने में मेहनत कम करनी पड़ती है। वहीं, सिंघाड़े में मौजूद फाइबर डायजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाकर भी पतला बनाता है।

बीपी कंट्रोल करता है पोटैशियम

सिंघाड़े के अंदर प्रचुर पोटैशियम होता है और दिल के लिए पोटैशियम फूड काफी अच्छे होते हैं। क्योंकि, यह मिनरल ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। एक स्टडी में पर्याप्त पोटैशियम लेने से सिस्टोलिक बीपी 3.49 और डायस्टोलिक बीपी 1.96 कम देखा गया।

फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना

सिंघाड़े को फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना कहा जा सकता है। हेल्थलाइन के मुताबिक, इस टेस्टी फूड में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है और इसे खाने से मैंगनीज, कॉपर, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और विटामिन बी6 भी मिलता है।

दिल को हेल्दी रखने के लिए डॉक्टर्स ने दी ब्रिस्क वॉक की सलाह

हार्ट अटैक से मौतों का ट्रेंड दिन-ब-दिन डरावना होता जा रहा है। चलते-फिरते जान जाने वाले वीडियोज हर किसी को डरा रहे हैं। इस बीच आम लोग समाधान खोज रहे हैं तो डॉक्टर्स के बीच भी चर्चे शुरू हो गए हैं।

ज्यादातर डॉक्टर्स और हार्ट स्पेशलिस्ट सलाह दे रहे हैं कि हमें हर कीमत पर अपनी लाइफस्टाइल सुधारनी होगी। इसमें सबसे जरूरी स्टेप है फिजिकली ऐक्टिव रहना। इसके लिए भी आपको ज्यादा कुछ नहीं करना बस तेज कदमों के साथ टहलना है। डॉक्टर बैलेंस्ड डायट के साथ हफ्ते में कम से कम 5 दिन 45 मिनट ब्रिस्क वॉक करने की सलाह दे रहे हैं। यहां जानें ब्रिस्क वॉक क्या है, इसके फायदे और इसमें लोग क्या क्या गलतियां करते हैं।

डॉक्टर ने दी ब्रिस्क वॉक की सलाह

हार्ट अटैक या सडन कार्डिएक अरेस्ट की खबरें हर किसी को डरा रही हैं। ऐसे में पैनिक करने के बेहतर है समाधान पर बात की जाए। ज्यादातर हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि लोगों की लाइफस्टाइल उनकी अचानक मौतों के लिए जिम्मेदार है। दिल को हेल्दी रखना है तो फिजिकली ऐक्टिव रहना जरूरी है। इसके लिए डॉक्टर्स ब्रिस्क वॉक की सलाह देते हैं। यह आपका वजन कंट्रोल करती है, दिल मजबूत रखती है साथ ही आपका स्ट्रेस भी कम होता है। सबसे पहले जानते हैं कि ब्रिस्क वॉक आखिर है क्या?

गिनें प्रति मिनट कदम

ब्रिस्क वॉक में नॉर्मल वॉक से थोड़ा तेज चला जाता है। आसान भाषा में समझें तो एक मिनट में आपको 100 कदम चलने होते हैं। आप साथ में स्टेप काउंटर ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे गिनती में आसानी रहेगी। ये ऐप आपको मोबाइल में ही मिल जाएगा। ब्रिस्क वॉक के दौरान चेक करें कि आप बात कर पा रहे हैं या नहीं। अगर आपकी थोड़ी बहुत सांस टूट रही है और आराम से बात कर ले रहे हैं तो आप मॉडरेट लेकिन ब्रिस्क वॉक कर रहे हैं।

न करें ये गलतियां

लोग ब्रिस्क वॉक को नॉर्मल वॉक समझ लेते हैं। ध्यान रखेंगे कि ब्रिस्क वॉक का टारगेट हार्टरेट होता है। अगर आपकी स्पीड जरूरत से कम है तो ज्यादा फायदा नहीं होगा। वहीं अगर आपकी स्पीड बहुत ज्यादा है तो भी दिक्कत हो सकती है। ब्रिस्क वॉक के दौरान आपको फुटवेअर कम्फर्टेबल होने चाहिए। रनिंग शूज ही पहनें। वर्ना पैरों की मसल्स में प्रॉब्लम हो जाएगी।

ब्रिस्क वॉक के फायदे

ब्रिस्क वॉक के अनगिनत फायदे हैं। यह आपका एक्सट्रा वजन कम करती है। आपकी कैलोरी बर्न होती है और लीन मसल्स बढ़ती है। वॉक करने से आपका मूड ठीक रहता है। ब्रिस्क वॉक से आपके दिल की सेहत ठीक रहती है, ब्लड प्रेशर लो होता है साथ ही ब्लड शुगर भी मेनटेन रहती है।

बेहद करामाती है इस पेड़ की छाल

डायबिटीज और हड्डियों के लिए है वरदान

आयुर्वेद में अर्जुन के पेड़ को कई औषधीय गुणों से भरा हुआ बताया गया है। अर्जुन के पेड़ की छाल भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। इस पेड़ की छाल का पाउडर बनाकर उपयोग किया जाता है। अर्जुन की छाल से स्ट्रोक, हार्ट अटैक और हार्ट फेल जैसे हार्ट संबंधी रोगों का इलाज किया जा सकता है। अर्जुन का पेड़ भारत में हिमालय की तराई, उत्तरप्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में ज्यादा पाया जाता है।

अर्जुन के पेड़ में बीटा-सिटोस्टिरोल, इलेजिक एसिड, ट्राईहाइड्रोक्सी ट्राईटरपीन, मोनो कार्बोक्सिलिक एसिड, अर्जुनिक एसिड पाया जाता है, जिस कारण यह रोग को दूर करने के लिए काफी उपयोगी माना जाता है। अर्जुन की छाल से हृदय रोग, क्षय, पित्त, कफ, सर्दी, खांसी, अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल और मोटापे जैसी बीमारी को दूर करने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह महिलाओं के लिए भी काफी उपयोगी है। खूबसूरती बढ़ाने वाली क्रीम के अलावा स्त्री रोगों में भी यह बहुत काम की औषधि है।

स्तन कैंसर को रोकती है अर्जुन की छाल

कई रिसर्च में खुलासा हुआ है कि अर्जुन के पेड़ में कसुआरिनिन नाम का रासायनिक घटक पाया जाता है। इसके कारण शरीर में कैंसर की कोशिकाएं फैल नहीं पाती है। विशेषकर स्तर कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में अर्जुन की छाल बड़े काम की है। यदि गर्म दूध में अर्जुन के पेड़ की छाल को बारिक पीसकर रोज सेवन किया जाए तो स्तन कैंसर से बचा जा सकता है।

दिल के रोगियों के लिए रामबाण औषधि

अर्जुन की छाल दिल के रोगियों के लिए एक असरकारक दवा है। जिनका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा है और थोड़ा भी पैदल चलने पर सांस फूलने लगती है, उन्हें अर्जुन की छाल की चाय अवश्य पीनी चाहिए। अर्जुन की छाल धमनियों में जमने वाले कोलेस्ट्रॉल और ट्रायग्लूसराइड को कम करती है। इससे दिल को रक्त पहुंचाने वाली धमनियां सुचारू काम करने लगती हैं। इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि कोलेस्ट्रॉल या ट्राइग्लूसराइड का ज्यादा बढ़ना दिल के लिए घातक हो जाता है। इससे कई बार हार्ट अटैक आने का भी खतरा रहता है। ऐसे मरीजों को रोज अर्जुन की छाल का इस्तेमाल किसी न किसी रूप में अवश्य करना चाहिए।

डायबिटिज के रोगी ऐसे करें अर्जुन की छाल का प्रयोग

अर्जुन की छाल एक साथ कई बीमारियों को साध सकती है। कैंसर व दिल से संबंधित बीमारियों के अलावा डायबिटीज की बीमारी को नियंत्रित करने में अर्जुन की छाल बड़े काम की औषधि है। लेकिन इसके लिए अर्जुन की छाल के साथ देसी जामुन को समान मात्रा मिलाकर पीसकर चूर्ण बना लेना चाहिए। इस चूर्ण को रोज सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ लेना डायबिटीज के मरीज के लिए फायदेमंद होता है।

रुक जाता है मोटापा बढ़ना

अर्जुन की छाल का काढ़ा पीने से मोटापे की बीमारी भी नहीं होती है क्योंकि पाचन तंत्र इसके लगातार सेवन से ठीक रहता है। यदि लगातार इसका सेवन किया जाए तो सिर्फ एक माह के इसका असर देखा जा सकता है। अर्जुन की छाल इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करती है, जिससे सर्दी खांसी जैसी बीमारियां भी नहीं होती हैं।

मुंह के छाले होते हैं दूर

अर्जुन की छाल चूंकि पेट साफ करती है और इसकी तासीर ठंडी होती है इसलिए यदि इसका रोज सेवन किया जाए तो कभी भी मुंह में छाले नहीं होते हैं। इसके अलावा यह खून को बगैर दवा लिए प्राकृतिक रूप में पतला करने भी औषधि है। इसके सेवन से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या भी पैदा नहीं होती है।

संक्षिप्त समाचार

खुले आम बिक रही रायफल

बिलासपुर (समय दर्शन)। शहर के सिविल लाइन थाने के सामने 250, 350 में दो नाली रायफ्ल और हथोड़ा आसानी से खरीदा जा सकता है। समय के बदलने के साथ ही होली के त्योहार पर अब आने वाली पिचकारियां अब नए मॉडल में आ रही है। समाज में हिंसात्मक माहौल बना है इसका असर होली के पिचकारी पर भी पड़ा है। इसी कारण इस बार हथोड़ा और रायफ्ल के आकार में पिचकारियां बिकने आ गई।

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी S26 सीरीज़, मिलेगा इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और AI का शानदार अनुभव

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज गैलेक्सी S26 सीरीज़ लॉन्च की है, जिसमेंकमाल की परफॉर्मेंस, इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और गैलेक्सी AI अनुभव हैं जो लोगों के रोज़मर्रा के फोन टास्क को आसान बनाएंगे। गैलेक्सी S26, S26+ और S26 अल्ट्रा सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के AI फोन हैं और यह बैकग्राउंड में बड़ी ही आसानी से जटिल टास्क संभालते हैं, जिससे यूज़र्स सिर्फ़ परिणामों पर फोकस कर सकते हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ, प्रेसिडेंट और डिवाइस एक्सपीरियंस (DX) डिविजन के हेड, टीएम रोह ने गैलेक्सी S26 सीरीज़ के साथ, हमने I को इतना आसान बनाने पर फोकस किया है कि यह बैकग्राउंड मेंचुपचाप काम करे, ताकि लोग सिर्फ़ उन चीज़ों पर ध्यान दें जो मायनेरखती हैं। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा सैमसंग का अब तक का सबसे पतला सिर्फ़7.9 mm का अल्ट्रा डिवाइस है और इसमें मोबाइल फोन में दुनिया का पहलाबिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्प्ले पेश किया गया है। रोज़मर्रा की स्थितियों जैसेट्रांसिट, कैफ़े और शेयर्ड जगहों के लिए डिज़ाइन किया गया प्राइवेसी डिस्प्ले, मोबाइल डिवाइस पर पहले कभी नहीं मिला – इसके हार्डवेयरऔर सॉफ्टवेयर मिलकर प्राइवेसी की रक्षा करते हैं और आपके व्यूइंग अनुभव पर भी कोई असर नहीं पड़ता। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा स्नैपड्रैगन0 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी से पावर्ड है — जो अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देताहै। इसमें सुपर फास्ट चार्जिंग 3.0 की भी खूबी है, जिससे फोन सिर्फ़30 मिनट में 75% तक चार्ज हो जाता है।

ट्राइडेंट ग्रुप ने 'विकसित भारत मिशन' के तहत देशव्यापी भर्ती अभियान शुरू किया

नई दिल्ली: भारत के प्रमुख औद्योगिक समूहों में से एक, ट्राइडेंट ग्रुप की मुख्य कंपनी ट्राइडेंट लिमिटेड ने एक बड़े भर्ती अभियान की घोषणा की है। कंपनी अपने मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन्स के लिए 3,000 से अधिक 'कर्मयोगियों' की नियुक्ति करेगी। यह पहल टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मेंस्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने और देश में रोज़गार के नए अवसर पैदा करनेके राष्ट्रीय लक्ष्य का हिस्सा है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए ट्राइडेंट ग्रुप की ग्रुप सीएचआरओ, पूजा बी. लूथरा ने कहा, ट्राइडेंट में हमारा यह मानना है कि भारत के औद्योगिक विकासकी असली ताकत हमारी प्रतिभाएं हैं। इस भर्ती अभियान के ज़रिए हम न केवलअपने कार्यबल को मजबूत बना रहे हैं, बल्कि भविष्य के लिए तैयार एक मजबूत मैन्युफैक्चरिंग ट्रांसफॉर्मेशन के जरिये राष्ट्रीय लक्ष्य का समर्थन भी कर रहे हैं। व्यावसायिक विस्तार से परे, हमारा ध्यान बेहतर करियर बनाने, समुदायों कोमजबूत करने और भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अग्रणी बनाने परकेंद्रित है। इस पहल के तहत ऑपरेटर, बुनकर, सिलाईकर्मी, फ्टिर, इलेक्ट्रीशियन औरमल्टीपल टेक्निकल व ऑपरेशनल पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उम्मीदवारों का चयन उनकी शैक्षणिक योग्यता और संबंधित उद्योग अनुभव केआधार पर होगा। ट्राइडेंट ने अनुभव और हुनर को सम्मान देने के लिए एक विशेषवेतन प्रारुप तैयार किया है। 2-3 वर्ष तक के अनुभव वाले प्रोफेशनल्स को25,000 प्रति माह, 3 से 5 वर्ष के अनुभव वाले उम्मीदवारों को 36,000 प्रतिमाह और 5 से 7 वर्ष के अनुभव वाले विशेषज्ञों को 50,000 प्रति माह का वेतनदिया जाएगा।

हर्बल गुलाल से आत्मनिर्भरता की ओर

समूह की महिलाएं पलास, चुकंदर एवं पालक के पत्तों से बना रही हर्बल गुलाल

एनआरएलएम के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही महिलाएं

जांजगीर-चांपा/समय दर्शन)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत जनपद पंचायत बलौदा की ग्राम पंचायत नवापारा (ख) लेवई की नैना महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं हर्बल गुलाल निर्माण कर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं।

समूह की महिलाएं प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर सब्जियों एवं फूलों से सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल हर्बल गुलाल तैयार कर रही हैं। पलाश के फूलों से केसरिया रंग, पालक भाजी से हरा रंग तथा लाल भाजी और चुकंदर से लाल रंग तैयार किया जाता है. गुलाब, गेंदा और पलाश की पंखुड़ियां, गुलाब जल व इत्र मिलाकर पूरी तरह रसायनमुक्त गुलाल बनाया जाता है। यह गुलाल त्वचा, आंख और बालों के लिए सुरक्षित है। बाजार में मिलने वाले सिंथेटिक रंगों में हानिकारक रसायनों का मिश्रण होता है, जिससे त्वचा में जलन, एलर्जी और आंखों को नुकसान पहुंचता है, जबकि बिहान की दीदियां पूरी तरह चर्म-रोग मुक्त और इको-फ्रेंडली गुलाल तैयार कर रही हैं। समूह की एफ्एलसीआरपी श्रीमती खिलेश्वरी नागरची ने बताया कि वे हर्बल गुलाब बनाने का कार्य पिछले कई सालों से करते आ रहे हैं। यह तो गुलाल त्वचा के लिए बिल्कुल भी हानिकारक नहीं है। गुणवत्ता और निरंतर प्रयास के कारण उन्हें इस कार्य से अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि इसे वे आस-पास के मार्केट में विक्रय कर करेंगे। समूह की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता भारद्वाज के नेतृत्व में लक्ष्मीन, सीता, विद्या कुर्रे, कुंती देवी, बबली मरावी, बीमा भाई, प्रतिभा, रवीना और कमला खुटे उत्पादन, पैकेजिंग और विपणन का कार्य सामूहिक रूप से कर रही हैं। हर्बल गुलाल निर्माण से प्राप्त आय से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। वे अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के साथ बच्चों की शिक्षा और अन्य आवश्यकताओं में सहयोग कर रही हैं। नैना महिला स्व-सहायता समूह की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल बनकर उभर रही है।इसके इसके साथ-साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी महिला स्वास्थ्य सहायता समूह द्वारा हर्बल गुलाल बनाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही अपने आसपास के है बाजारों में विक्रय करने का कार्य करेंगे।

वन विभाग के रेल कॉरिडोर कक्ष क्रमांक 408 में लगी भीषण आग हजारों पेड़ जलकर हुई खाक

रेंजर की निष्क्रियता से लगातार हो रही है आगजनी की घटनाएं

सारंगढ़ बिलाईगढ़ -समय दर्शन सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत धनसीर रोड में स्थित रेल कॉरिडोर कक्ष क्रमांक 408 में गुरुवार को अचानक से भीषण आग लग गई आसपास से आते हुए लोगों ने इस भीषण आग को देखा और वन विभाग को इसकी सूचना दी जब तक आग विकराल रूप ले चुका था इस विकराल आगजनी में हजारों की संख्या में पेड़ जलकर खाक हो गए हैं यह आगजनी प्लांटेशन तक ही नहीं रहा आसपास के करीब चार से पांच किलोमीटर तक फैले वन विभाग के इमरती पेड़ों पर भी लग गई और देखते ही देखते पूरा प्लांटेशन में राख नजर आने लगे वन विभाग के कर्मचारियों ने आग को बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग पूरी तरह से सागौन पेड़ समेत अन्य फ्लदार वृक्षों को अपने चपेट में ले लिया था। इस प्रकार से देखा जाए तो यहां पर वन विभाग को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है ।

रेंजर की निष्क्रियता से आगजनी की घटनाएं बढ़ी- स्थानीय वन प्रेमी एवं लोगों का कहना है कि रेंजर अक्सर ऑफ्सि में रहते हैं या बाहर रहते हैं फील्ड में कम रूप से जाते हैं जिसकी वजह से बीते दिन वन विभाग के कार्यालय से करीब 100 मीटर की दूरी पर ही आगजनी हुई थी जिसमें भी बड़ी संख्या में सागौन पेड़ जलकर खाक हो गए थे अपने कार्यालय के इतने करीब आगजनी को भी अधिकारी देख नहीं पाए ।

लाइन कटाई और सफाई के लिए जारी होता है लाखों रुपए- केम्पा मद से इस प्लांटेशन का निर्माण किया गया था जिसमें करोड़ों रुपए लागत आया था यह बिलाईगढ़ क्षेत्र के वन विभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी जिसमें अधिकारी समेत अन्य वन प्रेमी विजिट भी करते थे अब यह आगजनी में हजारों की संख्या में पेड़ों को नुकसान हुआ है इस प्लांटेशन में करीब 42000 मिश्रित वृक्षारोपण हुआ है जिसमें से अधिकतर वृक्ष जलकर खाक हो चुके हैं । जिसकी सुरक्षा के लिए लाखों रुपए हर साल जारी होते हैं और लाइन कटाई और सफाई का कार्य करना होता है लेकिन अक्सर अधिकारी इसके पैसे को बिना कार्य कराए निकाल लेते है और काम नहीं करते हैं ऐसे में आगजनी में आग अधिक फैल जाता है ।

पीसीसीएफने की थी इस रेल कारिडोर को तारीफ - वर्तमान में प्रधान मुख्य वन संरक्षण एवं वन बाल प्रमुख श्रीनिवास राव करीब 3 वर्ष पहले जब वन विभाग के केम्पा प्रमुख हुआ करते थे तब वह बिलाईगढ़ के दौरे पर रहे और इस प्लांटेशन का निरीक्षण किया था प्लांटेशन को देखकर श्रीनिवास राव बहुत खुश हुए थे और चौकीदार और सुरक्षा कर्मियों को 500 - 500 का इनाम भी प्रदान किया था लेकिन इस आगजनी से यह प्लांटेशन पूरी तरह से बर्बाद हो गया है ।

लापरवाही बरतने वालों पर होगी कार्यवाही : एसडीओ- वन विभाग की एसडीओ अमित गुप्ता का कहना है कि आगजनी की सूचना मिलने के बाद सारंगढ़ से भी टीम को रवाना कर दिया गया है प्रारंभिक तौर पर बीट गार्ड कि यहां पर लापरवाही सामने आई है सारंगढ़ की टीम जांच कर वहां से रिपोर्ट लाएगी इसके बाद क्लियर हो पाएगा । हमारी उड़ानदस्त की टीम भी वहां पर पहुंच रही है और पूरे मामले की जांच किया जाएगा । उक्त मामले में रेंजर की भी संलिप्त और लापरवाही उजागर होती है तो उन पर भी कार्यवाही करने की बात एसडीओ अमिता गुप्ता के द्वारा कही गई ।

हर्बल चिकित्सा में सारंगढ़ की बेटी का लता पटेल को मिली पीएचडी की उपाधि...

'अंबा हल्दी' और 'वन हल्दी' पर किया शोध.त्वचा रोगों के लिए विकसित किया नया फॉर्मूलेशन..

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन) जिले के लिए गौरव का क्षण है। क्षेत्र के ग्राम फर्सवानी की पुत्रवधू श्रीमती लता पटेल ने फार्मेसी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य करते हुए पीएचडी (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर ली है। उन्हें यह प्रतिष्ठित उपाधि 25 फरवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी (CSVTU), भिलाई द्वारा आयोजित ओपन डिफेंस के पश्चात प्रदान की गई।

हल्दी की औषधीय शक्ति पर केंद्रित रहा शोध- डॉ. लता पटेल का शोध विषय विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर हल्दी की दो प्रजातियों—कुरकुमा अमदा (अंबा हल्दी) और कुरकुमा एरोमेटिका (वन हल्दी) पर केंद्रित था। उन्होंने इन प्रजातियों का तुलनात्मक 'फार्माकोग्नोस्टिक' एवं 'फाइटोकेमिकल' अध्ययन किया।

प्रमुख उपलब्धि- अपने शोध के माध्यम से उन्होंने त्वचा संबंधी उपचार के लिए एक नवीन टॉपिकल फॉर्मूलेशन (क्रीम/लेप) विकसित किया है। यह भविष्य में हर्बल चिकित्सा और फार्मास्यूटिकल जगत में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

अनुभवी मार्गदर्शकों के सानिध्य में पूर्ण हुआ कार्य- यह कठिन शोध कार्य जेकेसीपी (JKCP), बिलासपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसमें सह-मार्गदर्शक के रूप में एलसीआईटी एसओपी (LCIT SOP), बिलासपुर के प्राचार्य डॉ. रितेश जैन का महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग रहा।

प्रतिभाशाली शैक्षणिक सफर- डॉ. लता पटेल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बरमकेला से पूर्ण की। इसके बादबी.फार्मा: चौकसे कॉलेज, बिलासपुर।एमएस फार्मा: प्रतिष्ठित संस्थान नाइपर (NIPER) मोहाली, चंडीगढ़ से की है, वे वर्तमान में जेके कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बिलासपुर में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

सारंगढ़ क्षेत्र में हर्ष की लहर- ग्राम फर्सवानी निवासी श्री पुरुषोत्तम पटेल की पुत्रवधू और श्री बिहारी लाल पटेल की धर्मपत्नी डॉ. लता पटेल की इस उपलब्धि पर उनके परिवार और क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह है। उनकी बड़ी बहन और रायगढ़ की प्रसिद्ध श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. जयकुमारी चौधरी सहित समस्त परिजनों ने उन्हें इस ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

गौरवपथ निर्माण की कछुवा चाल से भड़के नपा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश

कहा- गौरवपथ निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं।

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने गुरुवार को 10 करोड़ 73 लाख रू. की लागत से निर्माण होने वाले गौरवपथ निर्माण का औचक निरीक्षण किया और कार्य की कछुवा चाल को देखकर भड़क गए। उन्होने कहा कि गौरवपथ निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होने संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार को कड़ी चेतावनी देते हुए नाराजगी जताई।

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने कहा कि यह मार्ग शहर के गौरव के रूप में जाना जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्य की सतत् मॉनिटरिंग करने व प्रतिदिन स्थल का निरीक्षण कर जियो फेटोग्राफ्स निकाय के व्हॉटसअप ग्रुप में प्रेषित करने के निर्देश दिए।

गुणवत्ता को ध्यान में रख कार्य में गति लाने निर्देश- अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने निरीक्षण के दौरान कहा कि यह कार्य उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की मंशानुरूप, गुणवत्तापूर्ण और समय-सीमा के भीतर पूर्ण होना चाहिए। उन्होने निर्माण कार्य की प्रगति, सामग्री की गुणवत्ता, लेवलिंग, ड्रेनेज व्यवस्था एवं साइड डेवेलपमेंट का बारीकी से अवलोकन किया और ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि मशीनरी, मजदूरों और मानव संसाधनों की संख्या बढ़ाकर कार्यो में गति लाएं।

गौरव पथ कवर्धा शहर का गौरव-चंद्रवंशी- अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने दो टूक कहा कि गौरव पथ शहर का गौरव है। यह मार्ग केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शहर की प्रतिष्ठा और विकास का प्रतीक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्य में लापरवाही, गुणवत्ता में कमी या अनावश्यक देरी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों पर सीधी जिम्मेदारी तय की जाएगी और नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्य जनता की सुविधा के लिए होते हैं, इसलिए निर्माण के साथ-साथ जनसुरक्षा और यातायात व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा जाए। यह प्रोजेक्ट शहर की छवि से जुड़ा हुआ है और इसे हर हाल में समय पर एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाएगा।

हर घर जल संचय, जन भागीदारी से 1 मार्च से चलेगा विशेष जल संरक्षण महाभियान

जल संचय को जन-आंदोलन बनाने का संकल्प, हर घर तक पहुंचाने की पहल - कलेक्टर

विश्व महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने चलाया जाएगा विशेष अभियान

मोर गांव-मोर पानी से आगे बढ़ा संकल्प कलेक्टर ने की जल संचय जनभागीदारी से जल संरक्षण की अपील

जांजगीर-चांपा/समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में जनपद पंचायत अकलतरा, बलौदा, पामगढ़, बम्हनीडीह, नवागढ़ जनपद पंचायत अधिकारी कर्मचारी की बैठक आडिटोरियम भवन जांजगीर में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जल संचय जन भागीदारी मोर गांव - मोर पानी अभियान को नई गति देते हुए 1 मार्च 2026 से विशेष जल संचय जन भागीदारी महाभियान चलाया जाएगा। साथ ही विश्व महिला दिवस के अवसर पर इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप देते हुए रिचार्ज पिट निर्माण, सोखता गड्ढा, रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण किया जाएगा। यह अभियान सतत रूप से जागरूकता के साथ जारी रहेगा। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने पीपीटी के माध्यम से जल संचय एवं जनभागीदारी के बारे में विस्तार जानकारी दी। इस दौरान जनपद पंचायत सीईओ, आर ई एस ईई , इंजीनियर, पी एच ई ईई , महात्मा गांधी नरेगा एवं पी एम आवास के ब्लॉक कॉर्डिनेटर, तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत सहित सचिव, रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि भू-जल स्तर, अनियमित वर्षा और बढ़ती जल खपत को देखते हुए यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि जल संचय, जन भागीदारी से ही मुमकिन है और यह केवल एक नीति नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास है। अभियान के अंतर्गत सोखपिट एवं रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण सामुदायिक सहभागिता से किया जाएगा। स्थानीय समुदाय, उद्योग, शासकीय एजेंसियां एवं नागरिक मिलकर अपने-अपने स्तर पर जल संरचनाएं तैयार करेंगे। आंगनबाड़ी, स्कूल, पंचायत भवन एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाए जाएंगे। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि विश्व महिला दिवस के अवसर पर इस अभियान में विशेष रूप से महिलाओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल संकट का सर्वाधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है, इसलिए जल शक्ति से ही नारी सशक्त होती है संदेश के साथ हर घर में रिचार्ज पिट निर्माण का आह्वान किया जाएगा।

रिचार्ज पिट एक सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय है। घर की छत से निकलने वाले वर्षा जल को पाइप के माध्यम से गड्ढे में पहुंचाकर गिट्टी, रेत और पत्थर की परतों से जमीन में समाहित किया जाता है। जल संचय हेतु जागरूकता को लेकर ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों एवं शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से रैली, कार्यशाला, दीवार लेखन और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे मोर गांव - मोर पानी के संकल्प को साकार करते हुए अपने घर में रिचार्ज पिट बनाएं और जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाएं।

खबर-खास

मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर लेकर आया मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट

भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल डेस्टिनेशंस में से एक मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट (एमबीबी) लेकर आया है। यह ईवेंट 28 फरवरी से शुरू होगी। मिंत्रा इनसाईडर कस्टमर्स को 24 घंटे पहले यानी 27 फरवरी से इसकी अरली एक्सेस मिल जाएगी। इस एडिशन में फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल श्रेणियों में 20,000 से अधिक इंटरनेशनल और मेड-इन-इंडिया ब्रांड्स के 6 मिलियन से अधिक स्टाईल उपलब्ध होंगे। जिन ब्रांड्स की मांग ज्यादा रहने की उम्मीद है, उनमें एचएंडएम, नाईक, मैंगो, लेवीज़, यू.एस. पोलो एसोसिएशन, अनूक, लिबास, स्काईबैग्स, सेरावे, बाथ एंड बॉडी वर्क्स और मैक शामिल हैं। मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट के तीसरे एडिशन के बारे में बात करते हुए, मिंत्रा के कैटेगरी और रेवेन्यू हेड, रितेश मिश्रा ने कहा, 'मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट देश में लाखों लोगों के साथ अपने सफर को खुशनुमा बनाने के लिए हमारी एक खास ईवेंट है। मिंत्रा के 19 वर्ष पूरे होने पर, हम अपने ग्राहकों के प्यार और हजारों ब्रांड पार्टनर्स के विश्वास के लिए आभारी हैं, जिन्होंने देश में फैशन के परिदृश्य में परिवर्तन लाने में मुख्य भूमिका निभाई है। जहाँ हम ई-कॉमर्स के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करते जा रहे हैं, वहीं हमारा ध्यान एक्सिलेंस बढ़ाते रहने और फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल शॉपिंग में आधुनिक ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने पर केंद्रित रहता है।' आगामी शादियों के सीज़न और ईद एवं होली जैसे त्योहारों को देखते हुए इस एडिशन में मेंस और वीमेंस एथनिक वियर, ब्यूटी और पर्सनल केयर एवं वॉच और वियरेबल्स की श्रेणियों में तेजी रहने की उम्मीद है। वीमेंस और मेंस वेस्टर्न वियर, मेंस एपरेल, स्पोर्ट्स वियर, और स्प्रिंग-समर एसेंशियल्स में भी अच्छी मांग रहेगी क्योंकि नए सीज़न में शॉपर्स अपनी वारड्रोब को रिफ्रेश करते हैं। इस दौरान लोगों से मिलना-जुलना बढ़ने और ट्रैवर बढ़ने के कारण ट्रैवल एसेंशियल्स, फुटवियर, किड्स वियर, एक्सेसरीज़ और उपहारों की श्रेणियों में भी मांग बढ़ेगी।

सिविक एक्शन का आयोजन

गरियाबंद। जिले में चलाए जा रहे एंटी नक्सल ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाने वाली सीआरपीएफ नक्सल प्रभावित इलाके में सीधे जनता से भी जुड़ने समय समय पर जन कल्याण कार्यक्रम चलाते रहती है।इसके तहत सीआरपीएफ211 बटालियन ने नक्सल प्रभावित गांव पायलीखण्ड में सिविक एक्शन कार्यकम का आयोजन किया।जहा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया,इस परीक्षण में पता चला कि ज्यादातर ग्रामीण खून की कमी से होने वाले एनीमिया के शिकार हैं।जवानों ने तत्काल सभी को दवा उपलब्ध कराया है।इसके अलावा सभी वर्गों के ग्रामीणों को उनकी दिनचर्या के कई जरूरी सामान भेंट कर जवानों ने ग्रामीणों का दिल जीत लिया। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ सीआरपीएफ का जुड़ाव एंटी नक्सल ऑपरेशन का एक हिस्सा भी है। ऐसे अभियान चला कर पुलिस व जवान अंदरूनी इलाके में अपनी सकारात्मक छवि के जरिए पैठ बनाती है।

जल जीवन मिशनः घर-घर नल कनेक्शन से 1135 ग्रामीणों को मिल रहा स्वच्छ पेयजल

ग्राम करही में पेयजल की समस्या का हुआ स्थायी समाधान

मुंगेली(समय दर्शन) शासन की महत्वकांक्षी जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार हर घर जल पहुंचाने लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में पथरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम करही में 254 घरों और लगभग 01 हजार 135 से अधिक ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इस गांव में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन ने पेयजल व्यवस्था की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। जो गांव कभी 05 हैंडपंप और 05 पावर पंप पर निर्भर था, आज वहां प्रत्येक घर में नल से नियमित, स्वच्छ और पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है। अब ग्राम करही में पानी के लिए न कतार है, न भागदौड़ और न ही चिंता।

पूर्व में जलस्तर कम होने पर गांव में पानी की भारी किल्लत हो जाती थी। विशेषकर गर्मी के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती थी। महिलाओं को दूरस्थ स्थानों तक पानी लाने जाना पड़ता था और लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता था। इससे घरेलू कार्यों में देरी होती थी और मजदूरी तथा खेती-किसानी का कार्य भी प्रभावित होता था। गांव की महिलाओं के लिए यह केवल पानी की समस्या नहीं थी, बल्कि समय, श्रम और सम्मान से जुड़ा प्रश्न था, लेकिन जब से जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूरे गांव में पाइपलाइन का विस्तार कर प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन पहुंचाया गया है, तब से सभी परिवारों को घर बैठे स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। पानी के लिए होने वाली रोज़मर्रा की भागदौड़ समाप्त हो गई है और ग्रामीणों की दिनचर्या व्यवस्थित हो गई है। ग्राम की निवासी अंजीरा राजपूत, जानकी नेताम, गणेशिया यादव और सुखमनी यादव ने कहा कि अब उन्हें पानी के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता। वे अपने घरेलू कार्य समय पर पूरा कर पा रही हैं और खेतों व मजदूरी कार्यों के लिए भी समय पर निकल पाती हैं।

ग्राम की सरपंच श्रीमती कमलेश बंजारे के अनुसार योजना के सफल संचालन और संधारण के लिए जल कर संग्रह की व्यवस्था की गई है। नियमित देखरेख और सामुदायिक सहभागिता से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी ग्रामीणों को समय पर और पर्याप्त पानी मिलता रहे। पथरिया के जनपद सदस्य संजीव नेताम ने कहा कि अब ग्रामीणों के दरवाजे पर ही पानी उपलब्ध है, जिससे वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान हो गया है। उन्होंने इस योजना को ग्राम करही के लिए वरदान बताते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिशु मंदिर का भव्य सांस्कृतिक आयोजन,नन्हें भैय्या-बहनों ने बिखेरी प्रतिभा की चमक

गरियाबंद(समय दर्शन)। श्री भूतेश्वर नाथ बाल संस्कार समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,गरियाबंद में गुरुवार 26 फरवरी को शिशु नगरी (कक्षा अरुण से चतुर्थ तक) के भैय्या-बहनों का भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी सजावट,आकर्षक मंच और उत्साहित विद्यार्थियों की उपस्थिति से उत्सवमय वातावरण में बदल गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती,ओंकार एवं सरस्वती माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का दिल जीत लिया। विद्यालय के प्राचार्य चैन सिंह बघेल ने विद्यालय का विस्तृत वृत्त वाचन प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक उपलब्धियों, संस्कारपरक गतिविधियों एवं सह-शैक्षणिक कार्यक्रमों की जानकारी दी।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित (जिला अध्यक्ष भाजपा) ने अपने विस्तृत उद्बोधन में कहा कि शिशु मंदिर की शिक्षा प्रणाली केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह बच्चों के व्यक्तित्व,चरित्र और राष्ट्रप्रेम को भी गढ़ती है।उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में जहां भौतिक शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है,वहीं शिशु मंदिर संस्कार और अनुशासन के माध्यम से संतुलित शिक्षा का आदर्श प्रस्तुत कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि यहां भोजन से पूर्व मंत्रोच्चार, गुरुजनों का सम्मान, माता-पिता के प्रति आदर और राष्ट्र के प्रति समर्पण जैसे मूल्य बच्चों के जीवन में प्रारंभ से ही रोपे जाते हैं। यही कारण है कि शिशु मंदिर के विद्यार्थी आगे चलकर समाज और राष्ट्र की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुरेन्द्र सोनटेके (सभापति,नगर पालिका) ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षा को जीवंत बनाते हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, लघु नाटिका, कविताएं एवं पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।अभिभावकों ने भी बच्चों की प्रतिभा पर गर्व व्यक्त किया।पूरे कार्यक्रम के दौरान तालियों की गूंज से वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा।कार्यक्रम में विजय सिन्हा, मानिक लाल साहू,लोकनाथ साहू सत्यप्रकाश मानिकपुरी प्रकाश निर्मलकर योगेश कुमार साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन गोविंद किशोर सिन्हा आचार्य ने प्रभावी ढंग से किया। आयोजन को सफल बनाने में समस्त आचार्य/दीदी, समिति परिवार के पदाधिकारी,किशोर/कन्या/बाल भारती तथा स्काउट-गाइड के भैय्या-बहनों का सहयोग रहा।

बदलाव की शुरुआत, सुरक्षा के साथः कोटवार सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कोटवारों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

मुंगेली(समय दर्शन) जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में बदलाव की शुरुआत, सुरक्षा के साथ'' कोटवार सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग शामिल हुए। साथ ही कलेक्टर कुन्दन कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था, सूचना तंत्र एवं प्रशासन-पुलिस समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। जिले भर से आए कोटवारों का सम्मान किया गया तथा ग्राम सुरक्षा और जनजागरूकता में उनके योगदान की सराहना की गई।

कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक गर्ग ने कहा कि कोटवारों को पहल कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जिससे वे अपने दायित्वों का और अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेंगे। उन्होंने नशे की रोकथाम, साइबर फ्रॉड तथा अन्य अपराधों की रोकथाम में कोटवारों की सक्रिय भूमिका को अत्यंत सराहनीय बताया। उन्होंने सशक्त-सीजी पुलिस ऐप की जानकारी देते हुए बताया कि इस ऐप के माध्यम से वाहन नंबर दर्ज कर उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। महानिरीक्षक श्री गर्ग ने बताया कि सभी पुलिस थानों में क्यू आर कोड लगाए गए हैं, जिन्हें अपने मोबाइल से स्कैन करके कोई भी व्यक्ति अपना फीडबैक दे सकता है। उन्होंने ऐप के माध्यम से अपना अनुभव व सुझाव दर्ज करने के लिए आमजनों को प्रेरित करने कोटवारों से अपील की।

कलेक्टर ने कहा कि जब मंशा स्पष्ट हो और कार्यप्रणाली में समर्पण हो, तो सकारात्मक परिणाम अवश्य मिलते हैं। उन्होंने जिले को मिली विभिन्न उपलब्धियों में कोटवारों की सक्रिय भागीदारी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कोटवारों का सूचना तंत्र मजबूत होने से प्रशासन को जमीनी स्तर की सटीक जानकारी समय पर मिलती है। एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण कार्य को सुगमता से संपन्न कराने में उनकी मेहनत और समर्पण की बड़ी भूमिका रही। धान खरीदी जैसे संवेदनशील कार्य का सफल संचालन बिना किसी अप्रिय घटना या कानून-व्यवस्था की स्थिति के संभव हो पाया, जिसमें अधिकारियों और कोटवारों के बेहतर समन्वय का विशेष योगदान रहा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पहल कार्यक्रम के अंतर्गत दिए गए साइबर प्रशिक्षण को गांव-गांव तक पहुंचाकर कोटवारों ने लोगों को जागरूक किया, जिसका परिणाम यह रहा कि पूरी धान खरीदी अवधि में भुगतान से संबंधित साइबर ठगी की एक भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई। जिले के सभी थानों में प्राप्त शिकायत के आधार पर अपराधियों के ऊपर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। वनमंडलाधिकारी ने पहल कार्यक्रम को नई दिशा देने वाली पहल बताते हुए कहा कि कोटवारों ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान दिया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रमों में उनकी उल्लेखनीय भागीदारी रही है। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि कोटवार गांवों में साइबर अपराध के प्रति जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति में प्रशासन और पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस महानिरीक्षक गर्ग को स्मृति चिन्ह भेंट प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों को शॉल एवं डायरी तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कोटवारों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती नवनीत कौर एवं मयंक तिवारी सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में कोटवार मौजूद रहे।

इंडसइंड बैंक ने नेक्स्ट-जेन UPI प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म को किया लाइव

मुंबई : इंडसइंड बैंक ने आज घोषणा की कि उसके डिजिटल बैंकिंग चैनल अब नेक्स्ट-जेन यूपीआई प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म पर लाइव हो गए हैं। यह कदम भारत के रियल-टाइम पेमेंट इकोसिस्टम में एक परिवर्तनकारी उपलब्धि है। यह नया प्लेटफॉर्म उन्नत गति, स्केलेबिलिटी और विश्वसनीयता को एक साथ जोड़ते हुए डिजिटल बैंकिंग में नया मानक स्थापित करता है और बैंक के लाखों ग्राहकों तथा देशभर के व्यापारियों को निर्बाध, उच्च-प्रदर्शन भुगतान अनुभव प्रदान करता है। यूपीआई 6.0 नाम से जाना जाने वाला यह प्लेटफॉर्म माइंडगेट सॉल्यूशंस द्वारा विकसित छठी पीढ़ी का अपग्रेड है, जो हाइपर-स्केलेबल, क्लाउड-रेडी और मजबूत आर्किटेक्चर पर आधारित है तथा अत्याधुनिक रियल-टाइम पेमेंट स्टैक प्रदान करता है। इंडसइंड बैंक इस नेक्स्ट-जेन प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म पर क्लाउड के माध्यम से जारीकर्ता और अधिग्रहणकर्ता दोनों सेवाओं के लिए लाइव होने वाला पहला निजी बैंक बन गया है। इस अपग्रेड से रिकवरी टाइम (आरटीओ) में 30 प्रतिशत की तेजी आई है और वर्तमान इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ 75 प्रतिशत तक अधिक स्केलेबिलिटी क्षमता उपलब्ध हुई है। इंडसइंड बैंक के चीफ इंफॉर्मेशन ऑफिसर रवि पांगल ने कहा, इंडसइंड बैंक में हमारा डिजिटल-फर्स्ट दृष्टिकोण ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के प्रमुख लक्ष्य से प्रेरित है। अगली पीढ़ी का यूपीआई प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म हर लेनदेन में गति, मजबूती और भरोसा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह उपलब्धि हमारी डिजिटल रणनीति के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार, बुद्धिमान बैंकिंग इकोसिस्टम बनाना है, जो व्यक्तियों, व्यापारियों और उद्यमों को रियल-टाइम में सेवाएं दे सके। नेक्स्ट-जेन PI प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म को सब-सेकंड रिस्पॉन्स टाइम, लगभग शून्य तकनीकी अस्वीकृतियां और कुछ ही मिनटों में निर्बाध डिजास्टर रिकवरी सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये सभी क्षमताएं मिलकर पीक वॉल्यूम के दौरान भी उच्च लेनदेन विश्वसनीयता और परिचालन निरंतरता सुनिश्चित करती हैं। इंडसइंड बैंक की डिजिटल 2.0 रणनीति का उद्देश्य एक सहज, सुरक्षित और सहज-बोधगम्य बैंकिंग इकोसिस्टम तैयार करना है। नेक्स्ट-जेन यूपीआई प्रोसेसिंग प्लेटफॉर्म का शुभारंभ इसी दृष्टिकोण को और मजबूत करता है, जिससे ग्राहकों को तेज़, मजबूत और रियल-टाइम भुगतान अनुभव प्राप्त होगा।

न्यायालय तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम

ई-कोर्ट प्रकरण कमांक /ब-121/वर्ष 2025-26
ग्राम लिटिपुर
क्रमांक / वाचक/ना.तह./2026
पिपरिया दिनांक 26.02.2026

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को समस्त ग्रामवासीगण लिटिपुर सूचित किया जाता है. कि- आवेदक धनवार चंद्राकर पिता रामाधार, निवास का पता ग्राम लिटिपुर तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा खसरा नम्बर 249/1 रकबा 0.0530 हेक्टेयर, ग्राम लिटिपुर, प.ह.न. 22. रा.नि.म. दशरंगपुर तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ की कृषि भूमि जिस पर आवेदक एवं अन्य 07 का कब्जा है व किसान किताब में नाम दर्ज है ऑनलाईन अभिलेख में भूमि स्वामी निरंक प्रदर्शित हो रहा है। आवेदक द्वारा अपने स्वयं व अन्य 07 का नाम दर्ज किये जाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया।

अत: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा-आपत्ति होतो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई तिथि 13.03.2026 तक स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सुनवाई तिथि: 13.03.2026
जारी तिथि 26.02.2026

तहसीलदार
न्यायालय तहसील पिपरिया
जिला कबीरधाम, (छत्तीसगढ़)
मुहर

कार्यालय उपसंचालक, समाज कल्याण, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(जिला पंचायत परिसर, जी.ई रोड दुर्ग Phone No. 0788-4052380, E-mail ID dpsw.drg@gmail.com)
Help Line No. 155-326, Toll free No. 1800-233-8989,

//संशोधित विज्ञापन//

कमांक/ 1941 /स.क./2025-26 दुर्ग , दिनांक 26.02.2026

रुचि की अभिव्यक्ति (EOI)

जिले के वृद्धजनों के देख-भाल, संरक्षण, मनोरंजन, एकांकी जीवन के बचाव और सुरक्षा के उद्देश्य से वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्वक जीवन यापन, अपने जीवनभर के ज्ञान, अनुभव और कौशल को युवा पीढ़ी समुदाय के साथ साझा करना एवं वरिष्ठजनों के आत्म-सम्मान की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग, जिला दुर्ग द्वारा "डे केयर सेंटर सियान गुड़ी" क्षमता 25 सीटर की स्थापना एवं संचालन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के अर्द्धशासकीय या पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थाओं से रुचि की अभिव्यक्ति के तहत प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है। ऐसी संस्थाएं जो वरिष्ठजनों के देख-भाल के क्षेत्र में कार्यरत वित्तीय रुप से सक्षम हो तथा वरिष्ठजनों के "डे केयर" केन्द्र के संचालन के इच्छुक हो, ऐसी संस्थाओं से प्रकाशन की तिथि से 21 वें दिन दिनांक 23.03.2026 सांय 5:00 बजे तक कार्यालयीन समयावधि में रुचि की अभिव्यक्ति के तहत प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते है।

"डे केयर सेंटर सियान गुड़ी" की स्थापना एवं संचालन हेतु इच्छुक संस्थाएं उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग, जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में उपस्थित होकर आवेदन पत्र, नियम एवं शर्ते प्राप्त कर सकते है। साथ ही जिले के वेब-साइट https://durg.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

(कलेक्टर महो. द्वारा अनुमोदित)
सहपत्र :- प्रेस विज्ञप्ति।

G-252606932/2

उपसंचालक
समाज कल्याण
जिला-दुर्ग
मो.नं. 8109707870

कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा) बालोद छ.ग.

Fax- 07749-223915 Email-id actwd.balod@gmail.com

!! निविदा आमंत्रण !!

क्रमांक / 1320 / आ.जा.क./ निर्माण / 2025-26 बालोद, दिनांक 24.02.2026

बालोद जिला खनिज संस्थान न्यास निधि जिला - बालोद से प्राप्त प्रशासकीय स्वीकृति रू.34.35 (लाख) का निर्माण कार्य आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन दर अनुसूची दर पुस्तिका छ0ग0 शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से (समस्त संशोधन सहित) प्रभावशील है। एस.ओ. आर पद्धति के तहत पंजीकृत डाक (ए.डी.) स्पीड पोस्ट के माध्यम से वर्ष 2025-26 में जिले के प्री. मै. आदिवासी कन्या छात्रावास / आदिवासी कन्या आश्रम में भवन छत मरम्मत एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिये ई- टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित किया जाता है । जिसका विवरण निम्नानुसार है ।

क.	संस्था का नाम	विकास खण्ड का नाम म	कार्य की प्रशा. स्वीकृत राशि (लाखों में)
1	2	3	4
1	प्री. मै. आदिवासी कन्या छात्रावास चिखला कसा	डौण्डी	19.99
2	आदिवासी कन्या आश्रम डौण्डी	डौण्डी	14.36
योग:-			34.35

1. निविदा हेतु आवेदन की प्रारंभ तिथि 11.02.2026 दोपहर 6.00 बजे से
2. निविदा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 11.03.2026 दोपहर 6.00 बजे तक

नोट:-
1. कार्य पूर्ण करने की अवधि प्रति संस्था 06 माह ।
2. प्रति कार्यो में ठेकेदार की श्रेणी "डी" क्लास या उससे ऊपर ।

टीप:- संस्थाओं की सूची निविदा की शर्ते व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate,gov.in में देखी जा सकती है ।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास बालोद

जी-252606905/2

संक्षिप्त-खबर

अधिवक्ता आदित्य ताम्रकार बनाए गए नोडल अधिकारी

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा अधिवक्ता आदित्य ताम्रकार को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वे मानव वन्य जीव संघर्ष (एचडब्ल्यूसी) के पीड़ितों के लिए बनाए गए न्याय तक पहुंच संबंधी योजना-2025 अंतर्गत पीड़ितों को विधिक सहायता का लाभ दिलवाएंगे। श्री ताम्रकार की नियुक्ति पर उन्हें अन्य अधिवक्ताओं ने बधाई दी है।

पाटन: आईटीआई के प्रशिक्षित विद्यार्थियों को 25 लर्निंग लाइसेंस वितरित

पाटन। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पाटन में आज एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के प्राचार्य हरीश कुमार शर्मा द्वारा प्रशिक्षित विद्यार्थियों को लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य शर्मा ने बताया कि अब तक कुल 25 प्रशिक्षित विद्यार्थियों को लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग संबंधी वैधानिक जानकारी और लाइसेंस प्राप्त करना युवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इस अवसर पर संस्थान के स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और भविष्य में नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित वाहन चलाने की सलाह दी। प्रशिक्षित बच्चों ने भी इस पहल के लिए संस्थान और प्राचार्य का आभार व्यक्त किया।

अपर कलेक्टर ने पंडरभट्ठा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता सुधारने दिए आवश्यक निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर एवं हेल्थ ओआईसी जी.एल. यादव ने मुंगेली विकासखंड अंतर्गत पंडरभट्ठा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाएं, दवा वितरण व्यवस्था तथा स्टॉक रजिस्टर एवं पंजी का गहन अवलोकन किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर आवश्यक दवाएं एवं उपचार उपलब्ध हों। अपर कलेक्टर ने प्रसव कक्ष, जनरल वार्ड, महिला वार्ड एवं दवा भंडार कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बोर्ड परीक्षा का औचक निरीक्षण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा ने आज छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं का जायजा लेने के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला निकुम (सेजस), तिरगा और अंडा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सहायक संचालक समृद्धि जोशी, राधिका यदु, अमल कुमार दुबे और जावेद कुरैशी का विशेष निरीक्षण दल भी मौजूद रहा। अधिकारियों ने परीक्षा हॉल में जाकर बैठक व्यवस्था और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर परीक्षा अत्यंत शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में संचालित होती पाई गई। एक विशेष उपलब्धि यह रही कि इन केंद्रों पर सभी नामांकित परीक्षार्थी उपस्थित मिले और किसी भी छात्र की अनुपस्थिति दर्ज नहीं की गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने केंद्रों में पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्र अध्यक्षों को निर्देशित किया कि पूरी परीक्षा अवधि में शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखी जाए। जिला प्रशासन के इस कड़े रुख और औचक निरीक्षण से परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त नजर आईं।

शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में 17 वी बार नेवता भोज का आयोजन किया गया

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे, विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव, एबीईओ लोकेश्वर सिंह कंवर ,संकुल नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे के मार्गदर्शन में बसना विकासखंड के संकुल केन्द्र जमदरहा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में प्रधानमंत्री पोषण योजना अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार नेवता भोज का आयोजन आंशिक रूप से श्रीमती खेमकुमारी साहू(शाला प्रबंधन समिति उपाध्यक्ष) द्वारा स्वप्रेरित होकर कराया गया। ललितपुर विद्यालय में यह 17 वी बार नेवता भोज का सतत आयोजन हुआ । उपस्थित समस्त गणमान्य नागरिको का प्रधान पाठक गफ्फार खान द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। उसके बाद मध्यान्ह भोजन के साथ नेवता भोज में गठिया ,मिक्चर, बेर, बिस्किट, चाकलेट, अमरूद एवं स्वादिष्ट

भोजन परोसा गया। नेवता भोज पाकर सभी विद्यार्थी बहुत ही आनंदित हुए। आज के नेवता भोज कार्यक्रम में खेमकुमारी के दोनों बच्चे गुंजन और गरिमा उपस्थित थी। दोनो बच्चो को प्रधान पाठक गफ्फार खान ने शुभकामनाएं दिए।आज के नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कायतराम चौहान ने कहा नेवता भोज का सतत आयोजन होने से गर्व की अनुभूति हो रही है।

तत्पश्चात ललितपुर के प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा कि ,नेवता भोज की एक विशेषता यह भी है कि सामुदायिक भागीदारी बढ़ाकर मध्यान्ह भोजन को और अधिक पौष्टिक बनाना, तथा समानता की भावना को बढ़ावा देना ।आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन उपाध्यक्ष श्रीमती खेमकुमारी साहू , कायतराम चौहान, रामेश्वरी चौहान, ,सहायक शिक्षक प्रहलाद साहू ,रसोइया श्रीमती बुधियारिन, घुराऊराम , स्वीपर महेत्तरीन चौहान, कुमारी साहू,भगवती साहू, अंजली साहू, आदि उपस्थित थे।

अंत में प्रधान पाठक गफ्फार खान ने उपस्थित समस्त गणमान्य नागरिको का आभार प्रदर्शन किया।

कलेक्टर लंगेह ने परीक्षा व्यवस्था का निरीक्षण के दौरान स्कूलों का किया भ्रमण

परीक्षा केंद्रों में अनुशासन, शांति व्यवस्था, प्रश्न पत्रों की गोपनीयता तथा सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया

महासमुन्द (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सहित महासमुंद जिले में शैक्षणिक सत्र 2025-26 अंतर्गत हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार किया जा रहा है। जिले में इस वर्ष कुल 254 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 10वीं के 12 हजार 839 विद्यार्थी तथा 168 विद्यालयों के कक्षा 12वीं के 10 हजार 724 विद्यार्थी 115 परीक्षा केन्द्रों के माध्यम से परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। कक्षा 10वीं एवं 12 वी की वार्षिक परीक्षा जारी है।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज हाई स्कूल परीक्षा की व्यवस्था का निरीक्षण करने महासमुंद स्थित स्वामी आत्मानंद हिन्दी

माध्यम विद्यालय, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बेलसोंडा एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बिरकोनी का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों में अनुशासन, शांति व्यवस्था, पर्यवेक्षकों की उपस्थिति, प्रश्न पत्रों की गोपनीयता तथा सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण रहें।

कलेक्टर श्री लंगेह ने शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बिरकोनी में लो-विजन 70 प्रतिशत दिव्यांगता से पीड़ित परीक्षार्थी कु. आस्था पांडेय सह-लेखक कु. केशरी निषाद के माध्यम से परीक्षा दे रही है, जिसका भी अवलोकन किया और दिव्यांग विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में बोर्ड परीक्षाओं का संचालन पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं अनुशासन के साथ किया जा रहा है तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए आत्मविश्वास एवं लगन के साथ परीक्षा देने का संदेश दिया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार लहरे, डीएमसी रेखराज शर्मा मौजूद थे।

प्रथम अखिल भारतीय डाक पैरा खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

भिलाई। प्रथम अखिल भारतीय डाक पैरा खेल प्रतियोगिता 2025-26 के शुभारम्भ के अवसर पर छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल रायपुर-छत्तीसगढ़ द्वारा भिलाई जिला : दुर्ग में 2 दिवसीय प्रथम अखिल भारतीय डाक पैरा खेल प्रतियोगिता 2025-26खेल समारोह का आयोजन 27.02.2026 से इंपीरियन होटल, चौहान हाऊसिंग प्रा.लि.एन एच-6 दुर्ग बायपास मारुती सुजकी एरीना के पास भिलाई (छत्तीसगढ़) में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 27.02.2026 को प्रात: 09.00 बजे,मुख्य अतिथि डा. संजय तिवारी, कुलपति हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, मुख्य आयोजक अजय सिंह चौहान मुख्य पोस्टमास्टर जनरल छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल, विशेष अतिथि गौकरण पाटिल, गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड (पेंटिंग) भिलाई, विशेष अतिथि दिनेश कुमार मिस्त्री निदेशक डाक सेवाए छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के करकमलों से संपन्न होने जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया जाएगा, तत्पश्चात सरस्वती वंदना, मार्च पास्ट तथा खेल शपथ के साथ खेल शुरु होगे। प्रतिभागी खिलाड़ियों द्वारा अनुशासन एवं उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जावेगा। इसी कड़ी में 27.02.2026 संध्या शाम 06.30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 28.02.2026 को सायंकाल 06.00 बजे मुख्य अतिथि प्रो. राजीव प्रकाश डायरेक्टर आई आई टी भिलाई, मुख्य आयोजक अजय सिंह चौहान मुख्य पोस्टमास्टर जनरल छत्तीसगढ़

डाक परिमंडल, विशेष अतिथि दिनेश कुमार मिस्त्री निदेशक डाक सेवाए छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के करकमलों से संपन्न होने जा रहा है। जिसमें विजेता/प्रतिभागी खिलाडियों को पुरस्कार वितरित किए जाऐंगे। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में विभिन्न राज्यों के 14 डाक सर्किल से कुल 150 विभागीय प्रतिभागी खिलाड़ी कैरम, चेस, बैडमिंटन व् टेबल टेनिस खेलेंगे। नागरिकों/छात्र/छात्राओ खिलाडियों से अपील कि वे इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करें तथा खेल भावना को प्रोत्साहित करें। यह आयोजन युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। आप सभी की उपस्थिति इस कार्यक्रम को और अधिक सफल एवं प्रेरणादायी बनाएगी।

अत: समस्त नागरिकों/छात्र/छात्राओ/खिलाडियों से विनम्र निवेदन है कि वे सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ।

पाटन कालेज में प्रतिभा सम्मान समारोह मृदंग 2026 में प्रतिभावान छात्र छात्राये पुरसस्कृत

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकार स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाटन में प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के मार्गदर्शन में नव ऊर्जा एवं प्रतिभाओं के प्रोत्साहन हेतु प्रतिभा सम्मान समारोह मृदंग 2026 का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विजय बघेल जी सांसद दुर्ग लोकसभा थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. नंदा गुरवारा प्राचार्य शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन,योगेश निक्की भाले जी अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन एवं जन भागीदारी प्रबंधन समिति पाटन कालेज, विशेष अतिथि रानी केशव बंछोर भाजपा मंडल अध्यक्ष पाटन, डॉ श्रीमती अनुपमा आस्थाना क्षेत्रीय अपर संचालक दुर्ग संभाग रहे। पाटन कालेज में मृदंग 2026 का आगाज महाविद्यालय प्रागण में दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल जी के मुख्य आतिथ्य, प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के मार्गदर्शन में माँ सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र का माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर माननीय अतिथियों द्वारा वार्षिकोत्सव मृदंग 2026 का विधिवत शुभारम्भ किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर आगंतुक मेहमानों का स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए पाटन महाविद्यालय की शैक्षणिक, खेल, राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड क्रास, की उपलब्धियों

से अवगत कराते हुए महविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए मांग पत्र का वाचन किया। प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने कहा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्कील डिप्लोपमेंट के लिए महाविद्यालय मे लगातार कार्यशाला का आयोजन वर्ष भर किया गया जिसमे टूटी फरूटी कतरी बनाना, बांस से कलाकृति बनाना, मशरूम उत्पादन, स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यशाला आदि का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों की प्रतिभा को उभारने के लिए समय समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत पाटन एवं जनभागीदारी अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने कहा की लक्ष्य स्पष्ट हो तो सिमित संसाधन मे भी प्रतिभा उभरकर सामने आती है और यही साबित किया हमारे पाटन महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जिन्होंने लगातार मेहनत करके खेल, शिक्षा आदि क्षेत्रो मे उपलब्धि प्राप्त किये है. महाविद्यालय की समस्याओं को लगातार हल किया जा रहा है और भविष्य मे हमारी टीम इस पर विशेष प्रयास करेगी।मुख्य अतिथि माननीय विजय बघेल सांसद दुर्ग लोकसभा ने अपने उद्बोधन मे महाविद्यालय उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा की विद्यार्थियों द्वारा बांस से बनाये कृति ये मोदी सरकार द्वारा लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्य को पूरा कर रहे है जल्दी ही युवा साथियो के जोश जज्बे से विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत बन जायेंगे। प्रावीण्य सूची मे स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, संकाय टॉपर्स, उत्कृष्ट खिलाड़ियों और वार्षिक खेल सांस्कृतिक, साहित्यिक प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया। अतिथियों के इस पल को यादगार बनाये रखने के लिए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार प्राप्त होने वाले प्रतिभावान छात्र छात्राओं में महाविद्यालय के मेधावी छात्रों के नाम जिन्होंने विश्वविद्यालय मैं मेरिट स्थान प्राप्त किया है कु तारिणी साहू प्रथम स्थान, कु पूजा साहू द्वितीय स्थान, कु पायल पंचम स्थान, उमाशंकर सप्तम स्थान सभी समाजकार्य विभाग, कु प्रियंका वर्मा एम. एस . सी गणित, चतुर्थ स्थान, कु.निधि वर्मा वाणिज्य अष्टम स्थान इन सभी मेधावी विद्यार्थियों को नगद राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। दानदाताओं के माध्यम से प्रतिभा सम्मान के आधार पर फैकल्टी टॉपर विज्ञान संकाय (स्व . योगेश कौशिक स्मृति सम्मान)- कु.तारिणी यादव , बी.एस.सी .भाग 3, वाणिज्य संकाय (श्री हेमंत देवांगन प्रदत्त सम्मान) कु. दीक्षा शर्मा , बी.कॉम .भाग 3, कला संकाय (श्री भास्कर सावर्णी प्रदत्त सम्मान) कु. विद्या बी.ए भाग -3, स्नातकोत्तर स्तर पर (राजनीतीविज्ञान विभाग) डॉ अरविंद शुक्ला प्रदत्त सम्मान, श्रीमती हिना देवांगन, उत्कृष्ट खिलाडी सम्मान (डॉ दिनेश नामदेव प्रदत्त सम्मान) कु. मौसमी निर्मलकर बी. ए तृतीयसेमेस्टर महिला वेटलिफ्ट को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की सूची कु. मौसमी निर्मलकर बी.ए (तृतीय सेमेस्टर), कु. शिवानी निषाद, बी.एस.सी (तृतीय सेमेस्टर) विश्व विद्यालय स्तर पर प्रतिनिधित्व, कु तनुजा बी. एस .सी (प्रथम सेमेस्टर) वेट लिफ्टिंग।

अचानकपुर में स्कूली बच्चों को सरपंच ने वितरित की हनुमान चालीसा, परीक्षा में मेहनत का दिया संदेश

पाटन। ग्राम पंचायत अचानकपुर में स्कूली बच्चों के बीच धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरपंच देवानंद साहू द्वारा हनुमान चालीसा का वितरण किया गया। इस दौरान कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं को लेकर कड़ी मेहनत करने और नियमित अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया गया। सरपंच देवानंद साहू ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थी अपने घर और स्कूल में अनुशासन के साथ पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास और एकाग्रता से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि वे प्रतिदिन घर पर कम से कम एक बार हनुमान चालीसा का पाठ करें, जिससे मन एकाग्र रहेगा और पढ़ाई में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों एवं ग्रामीणों की भी उपस्थिति रही। विद्यार्थियों ने सरपंच के संदेश को ध्यानपूर्वक सुना और मन लगाकर पढ़ाई करने का संकल्प लिया।

एसपी महासमुन्द की निगरानी में गांजा तस्करी पर बड़ी कार्यवाही

महासमुन्द (समय दर्शन)। जिले की पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (हृङ्मस्न) लगातार नजर रखे हुए है तथा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई भी कर रही है। लेकिन हाल के दिनों में उठे कुछ सवाल स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बने हुए हैं।

गौरतलब है कि महासमुंद के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात हुए हैं। उनके आने के बाद जिला पुलिस में सक्रियता बढ़ी दिख रही है। पिछले कुछ महीनों में हृङ्मस्न और जिला पुलिस ने 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत कई बड़ी कार्रवाइयां की हैं। फरवरी 2026 में ही 24 घंटे के भीतर 132.5 किलो गांजा जब्त कर 11 तस्कर गिरफ्तार किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 66 लाख रुपये बताई गई। इसी तरह जनवरी-फरवरी में कई अन्य मामलों में सैकड़ों किलो गांजा बरामद हुआ और अंतरराज्यीय तस्करों का नेटवर्क टूटा। एसपी प्रभात कुमार ने खुद इन कार्रवाइयों का खुलासा करते हुए नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया है।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि नए कप्तान के आने से पहले पिछले डेढ़-दो साल में ऐसी धड़ाधड़ कार्रवाई कम ही देखने को मिली थी। टीम वही पुरानी है, लेकिन नेतृत्व बदलने से पुलिस का रवैया बदला नजर आ रहा है।

बीते दिनों कबीरधाम

(कवर्धा) जिले की पुलिस ने रायपुर-जबलपुर हृ॥ पर चिल्फी क्षेत्र में एक नागालैंड पासिंग कंटेनर से 9 क्विंटल (900 किलो) गांजा बरामद किया। यह खेप ओडिशा से राजस्थान जा रही थी और कंटेनर में गुप्त चैंबर बनाकर छिपाई गई थी। जब्त गांजे की बाजार कीमत करीब 5 करोड़ रुपये आंकी गई है तथा कंटेनर भी जब्त कर लिया गया। ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, यह कंटेनर महासमुंद जिले से होकर गुजरा था। सवाल उठ रहा है कि इतनी बड़ी खेप महासमुंद पुलिस और हृङ्मस्न की नजरों से कैसे बच निकली? क्या इसे जानबूझकर जाने दिया गया या निगरानी में चूक हुई? यह खेप महासमुंद में पकड़ी जाती तो जिले की पुलिस को बड़ी सफलता मिलती।

गौरतलब है कि लगभग 8-9 महीने पहले भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था, जब कवर्धा पुलिस ने एक नशा तस्कर को पकड़ा था और जांच में महासमुंद जिले के कुछ पुलिसकर्मियों पर लेन-देन के आरोप लगे थे। उस समय तत्कालीन एसपी ने कुछ सिपाहियों पर कार्रवाई की थी।

अब स्थानीय लोग और पर्यवेक्षक सवाल उठा रहे हैं, क्या नए एसपी को प्रभावित करने और उनकी नजर में 'अच्छा' दिखने के लिए शुरुआती कार्रवाइयां की गई, ताकि पुरानी व्यवस्था बनी रहे? या फिर वाकई नशे के खिलाफअभियान मजबूत हुआ है? क्या महासमुंद पुलिस अब पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है या फिर कुछ खेपें 'सुरक्षित' निकलने में कामयाब भी हो जा रहे हैं ?

पुलिस प्रशासन से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जिले में नशा तस्करी पर लगाम लगाने की चुनौती बनी हुई है। एसपी प्रभात कुमार के नेतृत्व में जारी कार्रवाइयों से उम्मीद है कि तस्करों के नेटवर्क का नेस्तनाबूद करने की दिशा में सकारात्मक पहल के रुप में माना जा रहा है ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26